बर्षः- 06
अंकः- 83
मुरादाबाद
(Monday)
13 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हरित महाअभियान में शिक्षा विभाग के संस्थानों में रोपे गए 43 लाख पौधे, संरक्षण का भी लिया संकल्प

यूपी में बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में व्यापक पौधरोपण हुआ साथ ही संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित 35 करोड़ पौधरोपण महाअभियान-2026 में शिक्षा विभाग ने भी उल्लेखनीय भागीदारी निभाई। अभियान के अंतर्गत बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग के संस्थानों में संयुक्त रूप से 43 लाख पौधे रोपे गए। प्रदेशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में एक साथ चले पौधरोपण अभियान में विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सरकार का उद्देश्य केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सतत विकास के संस्कार विकसित करना भी है। हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को मिली नई ऊर्जा- 35 करोड़ पौधरोपण महाअभियान में शिक्षा विभागों की सक्रिय भागीदारी ने हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान की। विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक एक साथ हुए पौधरोपण ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाया। लाखों विद्यार्थियों की सहभागिता ने इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया। इसके साथ ही प्रकृति संरक्षण, हरित विकास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया।राज्य मुख्यालय पर भी दिखा उत्साह

%एक पेड़ मां के नाम% थीम के अंतर्गत राज्य मुख्यालय पर भी पौधरोपण महाअभियान उत्साहपूर्वक मनाया गया। शिविर कार्यालय, 18 पार्क रोड, लखनऊ में माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल, अपर राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा) वी.के. पांडेय, वृक्षारोपण अभियान की विभागीय नोडल अधिकारी रीटा जोशी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर शिविर कार्यालय परिसर में हरसिंगार, नाग चंपा, एरिका पाम और सहजन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। वहीं निशातगंज स्थित एससीईआरटी परिसर में निदेशक गणेश कुमार तथा संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर एससीईआरटी के अनेक अधिकारियों एवं प्रवक्ताओं ने भी पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी प्रकार उच्च शिक्षा विभाग के निदेशालय, विश्वविद्यालयों, राजकीय, सहायता प्राप्त एवं निजी महाविद्यालयों सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में भी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को मजबूती प्रदान की।परिषदीय विद्यालयों, केजीबीवी और ब्लॉक संसाधन केंद्रों में रोपे गए 12 लाख पौधे

बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 12 लाख पौधे रोपे गए। परिषदीय विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी), ब्लॉक संसाधन केंद्रों (बीआरसी), संकुलों तथा अन्य शैक्षणिक परिसरों में व्यापक पौधरोपण किया गया। शिक्षकों, विद्यार्थियों, स्कूल प्रबंधन समितियों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय ने अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यार्थियों को जैव विविधता, जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के महत्व की जानकारी दी गई तथा रोपे गए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। नोडल अधिकारी ने झांसी में पौधरोपण कार्यक्रमों का स्थलीय निरीक्षण किया राज्य स्तर पर भी बेसिक शिक्षा विभाग ने अभियान की सतत निगरानी की। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं वृक्षारोपण महाअभियान-2026 की नोडल अधिकारी मोनिका रानी ने झांसी जनपद में पौधरोपण कार्यक्रमों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने भगवन्तपुर वन ब्लॉक स्थित %नंदन वन% पौधरोपण का निरीक्षण किया। वह कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, टपरियन (बबीना) परिसर में कराए गए पौधरोपण तथा अन्य स्थलों का निरीक्षण कर पौधों के संरक्षण एवं अभियान की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण भी किया और अधिकारियों को रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने तथा जनभागीदारी को और मजबूत बनाने के निर्देश भी दिए।राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों में रोपे गए 11 लाख पौधे- माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 11 लाख पौधे रोपे गए। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों, मान्यता प्राप्त वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों, संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों, राजकीय एवं सहायता प्राप्त व्यावसायिक विद्यालयों तथा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय परिसरों में व्यापक पौधरोपण किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही रोपे गए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में रोपे गए सर्वाधिक 20 लाख पौधे-उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सर्वाधिक 20 लाख पौधे रोपे गए। प्रदेश के राजकीय, सहायता प्राप्त एवं निजी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। परिसरों को हरित बनाने के साथ रोपे गए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का स्थायी अभियान बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट में जजों से बदसलूकी: याचिकाकर्ता प्रबल के पिता बोले- मानसिक तनाव में था बेटा, उससे गलती हो गई

सुप्रीम कोर्ट में जजों से बदसलूकी के मामले में याचिकाकर्ता प्रबल प्रताप इटावा के नगला जयलाल भोली गांव के निवासी हैं। सुप्रीम कोर्ट में खुद अपना मामला लड़ने के दौरान जजों से बदसलूकी करने वाले प्रबल प्रताप यादव जिले की भरथना तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भोली के गांव नगला जयलाल के रहने वाले हैं। प्रबल प्रताप के पिता सुरेंद्र सिंह यादव ने शनिवार को कहा कि बेटा आर्थिक संकट से जूझ रहा था। इस बीच उसके साथ साइबर फ्रॉड भी हो गया। इसकी शिकायत भी नहीं सुनी गई थी। इसके लिए ही उसने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। आर्थिक तंगी के बीच कहीं सुनवाई न होने की वजह से वह तनाव में था। इसलिए ही उससे शायद कोर्ट में गलती हो गई।सुरेंद्र ने बताया कि उनकी दो बेटियां और एक बेटा प्रबल है। बेटियों की शादी हो चुकी है। सिर्फ दो बीघा खेती है। ऐसे में घर की आर्थिक स्थिति कमजोर है। आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए प्रबल लगातार पढ़ाई करके अच्छी नौकरी करना चाहता था। उसने तीन साल पहले जिले के चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज से बीएड किया था। सरकारी नौकरी न मिलने की वजह से दो साल पहले वह लखनऊ विवि से वकालत करने चला गया था।वहां वह कैंपस के पास ही किराए के एक कमरे में रह रहा था। खर्चा चलाने के लिए ट्यूशन पढ़ाता था। वह एक निजी कंपनी में नौकरी भी कर रहा था।

राम मंदिर चंदे की हेराफेरी पर पीएम मोदी चुप क्यों?: कांग्रेस ने भाजपा-आरएसएस को घेरा, कह दी ये बड़ी बात

राम मंदिर में चंदे की चोरी के आरोपों पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी की घेराबंदी तेज कर दी है। विपक्ष ने इसे पीएम के संरक्षण में हुआ विश्वासघात बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच और फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की है, जबकि भाजपा ने इसे विपक्ष की विभाजनकारी राजनीति करार दिया है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर तीखे सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि राम मंदिर में चंदे की हेराफेरी पीएम के संरक्षण में हुई है। इस विश्वासघात के लिए देश भाजपा और आरएसएस को कभी माफ नहीं करेगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हर चीज का श्रेय लेने वाले प्रधानमंत्री जवाबदेही के वक्त चुप क्यों हैं? नए तथ्य लगातार सामने आ रहे हैं। इस मुद्दे ने अब तूल पकड़ लिया है।जयराम रमेश का दावा है कि विशेष जांच दल भी रोजाना लाखों रुपये गायब होने की बात मान चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई करके बड़े गुनहगारों को बचाना चाहती है। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि चंपत राय और अन्य ट्रस्टी कई गहरे राज छुपा रहे हैं। सरकार की ढिलाई से साफ है कि दोषियों को ऊपर से संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को आगामी संसद सत्र में उठाने का फैसला किया है। इसके लिए देश भर में 26 जगहों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई।मामले की गंभीरता को समझने के लिए इन पांच बड़ी बातों पर गौर करना जरूरी है--

जून में हुआ खुलासा- राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी का यह मामला पहली बार सात जून को सामने आया था। एसआईटी की जांच और एफआईआर- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई। आठ लोग गिरफ्तार- मंदिर के चंदा संकलन और गिनती प्रक्रिया से जुड़े आठ आरोपियों को पुलिस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है। विपक्ष की चार मांगें- कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच, फॉरेंसिक ऑडिट, जवाबदेही तय करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। भाजपा का पलटवार- भाजपा का कहना है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उसने विपक्ष पर हिंदुओं को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया है।कांग्रेस के बड़े नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे को शांत नहीं होने देंगे। विपक्षी दल संसद में प्रधानमंत्री से सीधे जवाब मांगेंगे। दूसरी तरफ, भाजपा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग कभी राम मंदिर निर्माण के समर्थक नहीं थे, वे आज इस पर राजनीति कर रहे हैं। फिलहाल एसआईटी की जांच जारी है, लेकिन इस पर शुरू हुआ राजनीतिक घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है।

राममंदिर आरएसएस कार्यालय है शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने दिया बड़ा बयान, लोगों से गौरक्षा की अपील की

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने को लेकर अभियान चला रहे हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने राम मंदिर को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्वरूप में राम मंदिर आरएसएस कार्यालय है।ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने के लिए अभियान चला रहे हैं। इसके लिए जिलों में यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने यात्रा के दौरान रायबरेली में राम मंदिर के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में अयोध्या का राम मंदिर आरएसएस का कार्यालय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब यह मंदिर पूर्ण रूप से बन जाएगा तब सभी दर्शन करने जाएंगे। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शिवगढ़ में अपनी यात्रा के दौरान गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिए जाने की पुरजोर वकालत की है।गाय की रक्षा और राष्ट्रीय माता का दर्जा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पूरे प्रदेश में लोगों से गाय की रक्षा करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि गाय को माता मानने में ही सभी का कल्याण है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि लोग अनजाने में गाय की अवहेलना कर कितना बड़ा पाप कर रहे हैं, जबकि उन्हें यह समझना होगा कि गाय केवल पशु नहीं, बल्कि एक पूजनीय मां है। उनके अनुसार, यदि गाय को दुख होगा तो सभी को कष्ट होगा, इसलिए विश्व समुदाय को गोमाता की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। वेदों और पुराणों में भी गाय के महत्व को रेखांकित किया गया है और उसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।गाय को पशु कहने वालों को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं- इसके पहले, बाराबंकी में रविवार को त्रिवेदीगंज के गौतौना गांव में समाजवादी पार्टी के नेता गौतम रावत के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में गौ संरक्षण और राम मंदिर निर्माण को लेकर केंद्र व राज्य की राजनीति पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो लोग गाय को माता कहकर सत्ता में आए, वही अब उसे पशु बता रहे हैं। उनके अनुसार गाय को राष्ट्रीय गौमाता घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक दल गाय को राष्ट्रीय गौमाता घोषित करेगा, उनका समर्थन उसी दल को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो गाय को केवल पशु कहे, उसे सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं है, चाहे वह भाजपा, सपा, कांग्रेस या किसी अन्य दल से जुड़ा हो। शंकराचार्य ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर भी दावा किया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर उनके मुकदमे की वजह से मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के समय उन्होंने विधि-विधान के अनुसार स्थापना करने का आग्रह किया था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया, जिसके परिणाम आज सामने हैं। इससे पहले शंकराचार्य का चौराहे पर समर्थकों ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने गौतौना गांव में आयोजित सभा को संबोधित किया।

राम मंदिर घोटाले के 26 सबूतों के साथ जाऊंगा कोर्ट, संजय सिंह बोले- ट्रस्ट की जांच करने में योगी बेबस

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में हुए घोटालों के सबूत लेकर वो कोर्ट जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएम मोदी के बनाए हुए राम मंदिर ट्रस्ट की जांच करने में बेबस हैं।आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर राम मंदिर निर्माण और जमीन खरीद में हुए भ्रष्टाचार को दबाने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो दूध का दूध और पानी का पानी करने की कसम खाई थी, वह अब खोखली साबित हो रही है क्योंकि एसआईटी को निर्माण कार्यों और जमीन घोटाले की जांच से ही बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण में 40 प्रतिशत कमीशन खाया गया और चंदे के पैसे से करोड़ों का जमीन घोटाला किया गया। संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि चूंकि यह ट्रस्ट सीधे प्रधानमंत्री द्वारा बनाया गया है, इसलिए मुख्यमंत्री की हिम्मत नहीं है कि वे भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाल सकें। उन्होंने घोषणा की कि वे 26 पुख्ता दस्तावेजों के साथ कोर्ट जाएंगे ताकि प्रभु श्रीराम को लूटने वालों को कड़ी सजा मिल सके। सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के पुराने दावों पर तंज कसते हुए कहा कि जब मंदिर में चोरी का मामला खुला था, तब मुख्यमंत्री ने बड़े दावे के साथ कहा था कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा और जो भी सबूत हैं वे एसआईटी को दिए जाएं। आज की खबरें बता रही हैं कि एसआईटी न निर्माण कार्य की जांच करेगी और न जमीन घोटाले की। यह स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने और बेईमानों को बचाने की कोशिश है।

संपादकीय Editorial

Iran will develop a nuclear bomb!

The tension of war has escalated to such an extent that Iran is considering developing a nuclear bomb. It could even withdraw from the Nuclear Non-Proliferation Treaty (NPT). Currently, such possibilities and fears are being expressed, but defense experts consider them to be the basis for developing a nuclear bomb. Russia has also stated several times that circumstances are forcing Iran to develop an atomic bomb. In this context, defense experts are comparing Iran to North Korea. North Korea was a member of the NPT in 1985. Yet, it conducted mysterious nuclear tests and even developed small bombs. It left the NPT in 2003. Today, it is openly testing destructive missiles. No one has a verified account of how many nuclear bombs it possesses, but the US and European countries remain apprehensive. Has the Iran war reached such a point that Iran could become 'North Korea'? Iran is reportedly possessing approximately 440 kg of enriched uranium. This enrichment is over 60 percent, sufficient to produce small atomic bombs! Based on the International Atomic Energy Agency (IAEA)'s inspection of Iran's nuclear program, estimates are still being made that Iran has not developed a nuclear bomb. The late Supreme Leader Khamenei was also openly opposed to developing a nuclear bomb, but the current Supreme Leader, Mojtaba Khamenei, remains unclear on this matter. There have been reports that uranium enrichment is still ongoing at Iran's largest and most important nuclear facility, Natanz, as well as the Fordo and Isfahan nuclear facilities. These are deep underground and secure nuclear facilities that the US and Israel have so far failed to destroy. The Bushehr nuclear plant, near which the US military recently carried out airstrikes and bombings, is Iran's only active nuclear power plant. Germany began construction of this 1000-megawatt plant, but they fled, leaving it unfinished. Russia then finalized it. It is Iran's most sensitive nuclear facility. President Trump has announced attacks on power plants and vital bridges. Last Thursday, a US attack destroyed the railway bridges connecting Tehran and Mashhad. Khamenei was buried in Mashhad. For the first time, US attacks have targeted the Chabahar port traffic control tower and the IRGC's Imam Ali base. Obviously, there has been damage. India has invested ?1,400 crore in developing this port, so we have also suffered losses. Recently, news surfaced that Bushehr alone has a stockpile of approximately 2,100 kg of plutonium, potentially enough to produce 200 nuclear bombs. This news was reported by Forbes, Reuters, and Google as well. It was interpreted that Iran wants to become a nuclear power as soon as possible. It sees this as its last option for survival. Iran calls this a "shield of self-defense," and has begun deploying troops at nuclear facilities and bases. The Natanz facility contains uranium buried 300 feet underground. Enriched uranium is being relocated, a fact revealed by satellite imagery. Iran claims that dangerous, destructive weapons can be made from plutonium. Reactor-grade plutonium can also be used to create an atomic bomb. Thus, combining enriched uranium and plutonium, Iran possesses approximately 2550 kg of explosive material. This amount could cause mass genocide, and it is impossible to estimate how many generations would be disabled by the radiation of a nuclear bomb. Can the United Nations and the IAEA stop Iran from developing a nuclear bomb? Now, the focus of the war is the nuclear program. The Strait of Hormuz remains partially open, and Iran has allowed 10-12 ships and tankers to pass through. According to tanker trackers, approximately 10 million barrels of oil were supplied via Iran's super tanker. The value of this oil is estimated to be ?75 billion (75 billion rupees).

Cities in Trouble During the Rainy Season

Despite the arrival of the monsoon, Indian cities are grappling with waterlogging and rain-related problems, resulting in loss of life and property. Unplanned urbanization, poor infrastructure, and the negligence of municipal bodies are the main causes of these problems, requiring concrete policy and accountability to address them. Monsoon-induced waterlogging in cities leads to accidents and loss of life and property. Unplanned urbanization and poor sewage systems are the main causes. Municipal bodies need accountability and planned development. Despite the impact of El Niño, the monsoon has arrived in every corner of the country. Farmers are experiencing some relief, yet in many areas, crop sowing is being delayed due to lack of rain. At present, it cannot be said whether the monsoon will maintain its pace and receive adequate rainfall. This has created ongoing concerns about agriculture, and the government appears to be vigilant. While the arrival of the monsoon has brought relief from the scorching heat in many parts of India, it has also, like every year, exposed the shortcomings of municipal bodies, as many cities, both large and small, are plagued by rain-related problems, especially waterlogging. This is nothing new. For decades, people in Indian cities have struggled with waterlogging and related problems during the monsoon season. Yet, the working methods of municipal bodies remain unchanged. Our municipal bodies are unable to address waterlogging or prevent overflowing sewers, drains, and sewers. Consequently, waterlogging leads to numerous accidents whenever it rains. Traffic jams occur, roads cave in, electrocutions occur, and people fall into potholes or open manholes. Countless people lose their lives every monsoon season. This is the same scenario this time around. Recently, the first monsoon rains in Delhi-NCR alone claimed six lives in various accidents. This is the situation at the beginning of the monsoon season. In the coming days, waterlogging and flooding may occur in some areas. Furthermore, heavy rainfall, landslides, or cloudbursts can also cause loss of life and property. In Wayanad, Kerala, where heavy rains killed many people a few years ago, a landslide near a construction site recently wreaked havoc. Three people died, and several others are missing. Such incidents should be a cause for concern for our policymakers, as rain-related problems not only claim lives but also cause significant damage to urban infrastructure. Why is it that the monsoon, which is crucial for the country's economy, also gives rise to numerous problems in rural and urban areas? Forget about small towns, even major metropolitan cities face serious problems during the rains, disrupting normal life. Recently, three days of heavy rain in Mumbai proved catastrophic. Mumbai residents are once again grappling with the same problems they've been facing for years. Fed up with these problems, some approached the High Court. Hearing the case, the High Court stated that this situation is inevitable when people encroach on footpaths, rivers, drains, and roads. According to the court, Mumbai's situation worsened due to the misuse of public infrastructure. Our country's major cities are further fraught with problems because the villages and old settlements located within them have become synonymous with unplanned development. They lack proper drainage and have substandard sewage systems. These villages once had a limited population, but urbanization has swelled their population to thousands and even millions. Today, millions of people live in some villages in Delhi-NCR. Typically, migration from rural areas ends up settling in these urban villages. Whatever municipal bodies have done to improve the infrastructure in these villages is a mere drop in the ocean.

Municipal bodies and state governments are unable to stop unplanned development in these urbanized villages. One reason for this is that planned development is not on the agenda of councilors. Ironically, people rarely elect councilors with the intention of addressing the challenges of urbanization. The same is true for MLAs and MPs. Consequently, the daily hardships of cities are showing no signs of abating. In our country, votes are still cast based on caste, creed, or other factors, rather than on the candidate's qualifications. The growing problems in cities adversely affect not only people's physical health but also their mental health. Cities that should be able to make life comfortable are giving rise to stress and chaos. The country's leaders talk a lot about adopting developed countries' methods in urbanization, but show no commitment to adopting those methods. Strong urban infrastructure and planned urbanization are essential to achieving the goal of a developed India, but our cities have become synonymous with haphazard development. The foundation of cities is their infrastructure, but that has become distorted. How can planned development occur when the foundation itself is distorted? We are also witnessing that the infrastructure being built in the name of better urban planning quickly proves inadequate or substandard. It is now necessary to convene a special session of Parliament to initiate a meaningful debate to address the deteriorating urban situation. Additionally, a concrete framework should be developed to ensure proper implementation of all urbanization regulations. Municipal representatives and officials must be held accountable.

Failure to do so will not only increase the problems of urban populations but also complicate the achievement of a developed India. It should be noted that crumbling urban infrastructure is also tarnishing the country's image.

BJP Candidate Selection

The BJP has faced an uncomfortable situation regarding the selection of candidates for the Bankipur and Datia by-elections. This development raises questions about the party's discipline and democratic selection process. The BJP was forced to change its candidate in Bankipur, raising questions. The rebellion by Narottam Mishra's supporters in Datia has left the party uneasy. The BJP's image has been tarnished by the candidate selection process. The BJP's forced change of candidate in the Bankipur Assembly by-election in Bihar and the subsequent rebellion by supporters of former minister Narottam Mishra, who considered himself a potential candidate in the Datia Assembly by-election in Madhya Pradesh, have raised questions about the party's position. Since the Bankipur Assembly seat fell vacant due to BJP President Nitin Naveen's appointment as a Rajya Sabha member, the importance of the upcoming Assembly by-election has increased. Initially, the BJP nominated Abhishek Kumar, but he abruptly withdrew his candidacy, citing family reasons that prevented him from contesting. Subsequently, Neeraj Kumar Sinha was declared the candidate. Isn't it strange that the BJP failed to properly select its candidate for just one Assembly seat? It's difficult to understand what family circumstances suddenly confronted Abhishek Kumar that led him to withdraw from the election. It's being speculated that Prashant Kishore, the Jan Suraj Party candidate contesting from this constituency, was preparing to hold a press conference regarding his family background, and upon learning of this, the BJP decided to change the candidate. The truth is unknown, but the question is: was what Prashant Kishore knew unknown to the BJP leadership, and especially to party president Nitin Naveen, who previously represented this constituency? The Datia assembly constituency in Madhya Pradesh is different from Bankipur. Defeated BJP leader and former Home Minister Narottam Mishra was assuming he would be the candidate from here in the last election. He even began his campaign, but when his name wasn't announced, his supporters revolted. They blocked roads, staged protests, and even pelted stones. Several BJP officials even resigned in support of Narottam Mishra. Although Narottam Mishra is not justifying the actions of his supporters after the uproar has subsided, what happened has certainly embarrassed the party. It's true that the BJP is expanding rapidly and that candidates line up in areas where it is strong, but the Datia incident raises questions about its claim to be distinct from others. If the BJP wants to maintain its image as a disciplined and distinct party, it must establisha democratic and fair system for candidate selection.

Ethanol Blended Petrol

The government has clarified that E-20, ethanol-blended petrol, while slightly reducing fuel mileage, is beneficial for energy security, the environment, and farmers. Despite misinformation spread on digital media, this fuel also helps save foreign exchange, though further clarification is needed on its suitability for older vehicles. E-20 fuel is beneficial for energy security and the environment. A slight 3-4% reduction in fuel mileage, with no engine damage. The government has clarified the misinformation, and more information is needed. It is good that the government has finally clarified that E-20 fuel, i.e., ethanol-blended petrol, while slightly reducing fuel mileage, is beneficial for energy security and a clean environment, as well as for farmers. Furthermore, it also helps save foreign exchange. It would have been better if this clarification had come earlier, as unconfirmed reports have been circulating on digital media for quite some time, claiming that petrol containing 20 percent ethanol significantly reduces fuel mileage and damages vehicle engines. Some people even shared fake videos claiming that their vehicles stalled mid-road due to E-20 petrol. Given this misinformation, the government.

पत्नी का कत्ल तय हुआ, बेटे को भी मार डाला, भाई के मंसूबे नहीं समझ पाया; पति ने सुनाई उस रात की पूरी कहानी

मुरादाबाद में हुए डबल मर्डर के मामले में गिरफ्तार आरोपी पति ने चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उसने बताया कि पत्नी को परिचित के साथ देख नफरत बढ़ गई थी। इसलिए पत्नी को मारने का प्लान तैयार किया था, लेकिन मेरे भाई ने बेटे को भी मार डाला। पत्नी की हत्या का पछतावा नहीं है, लेकिन बेटे को खोने का बहुत गम है।मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना इलाके के मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा और उसके बेटे अंकुश की हत्या में शामिल को कोर्ट में पेश करने से पहले पूछताछ की। को वह समझ नहीं पाया था। पत्नी सीमा की बेटे को भी मार दिया। मुझे अपनी पत्नी की को खोने गम है। आरोपी देवर जयराम को पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी जसराम की सुबह गांव के पास ही जंगल में मिली थी। बेटे अंकुश (10) का शव करीब 500 मीटर सीमा की गला रेतकर हत्या की गई थी जबकि गया था। इसके अलावा दोनों के चेहरे भी जलाए दोहरे हत्याकांड में जसराम और उसके छोटे भाई को पूछताछ के बाद पुलिस ने जयराम को कोर्ट एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि गई है। उसने बताया कि वह अपनी पत्नी से तंग भाई जयराम के साथ मिलकर इस हत्याकांड को में जयराम मकान के दो लाख 40 हजार रुपये सीमा और उसके बेटे अंकुश को मंगलवार की आया था। जयराम ने अंकुश को पेट्रोल पंप पर जंगल में ले गया था। वहां पहले से जसराम कर दी थी। इसके बाद जयराम पेट्रोल लेने गया यहां उसने शोर मचाया तो जयराम ने उसकी भी बताया कि वह घबरा गया था। जसराम ने मेरी अब वह मुझे भी नहीं मार दे । इस लिए वह आरोपी जसराम को कोर्ट में पेश किया जहां से परिचित के साथ देख बढ़ गई थी नफरत- जसराम बेचने से पहले हमने एक बीघा जमीन बेची थी। यह पूरी रकम सीमा ने अपने पास रख ली थी। मैं साथ गाली गलौज करती थी। कभी कभी बात मारपीट भी की थी। इसके पीछे कई लोगों का

से सबसे ज्यादा विवाद होता था वो है सीमा का एक परिचित था। जिस फैक्टरी में सीमा काम करती थी। उसका परिचित भी उसकी फैक्टरी में काम करता है और मेरे पड़ोस के गांव का ही रहने वाला है। उसका मेरे घर आना जाना था।कभी-कभी तो वह मेरी गैर मौजूदगी में आता था। उसके लिए सीमा खाना भी बनाती थी। सोमवार की रात जब मेरा सीमा से झगड़ा हुआ और पुलिस ने मुझे अगवानपुर पुलिस चौकी में बैठा लिया था तो सीमा अपने उस परिचित के साथ ही चौकी पहुंची थी। तब दोनों को एक साथ देखकर मेरी नफरत और बढ़ गई थी और मैंने सोच लिया था अब मरना या सीमा को मारना है।मुरादाबाद में मां-बेटे की बेरहमी से हत्या, दोनों के चेहरे भी जलाए- मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में मां-बेटे की बड़ी ही बेरहमी के साथ हत्या कर दी गई। मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा (30) का गला रेता गया जबकि उसके दस साल के बेटे अंकुश की हत्या गला दबाकर की गई है। सीमा का शव बुधवार को एक गन्ने के खेत में मिला था जबकि उसके बेटे की लाश बृहस्पतिवार को करीब पांच सौ मीटर के फासले पर दूसरे खेत से मिली। हत्यारों ने दोनों की पहचान छुपाने के लिए चेहरे जलाए थे मगर अंकुश का चेहरा कम जला था जिससे उसकी पहचान हो गई। पुलिस का कहना है कि सीमा अपने पति जसराम से विवाद के बाद पिछले दो साल से अपने बेटे अंकुश के साथ अलग रह रही थी। इस दोहरे हत्याकांड को प्रेम संबंध में अंजाम दिए जाने का शक है। पुलिस ने महिला के पति, देवर, चचेरे ससुर और महिला के एक परिचित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।एसएसपी सतपाल अंतिल के मुताबिक, अमरोहा जिले के देहात थाना क्षेत्र के चककालीलेट निवासी किसान कल्लू सिंह का खेत पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या गांव के पास है। बुधवार की सुबह करीब नौ बजे कल्लू सिंह के खेत में 30 वर्षीय एक महिला का शव मिला था। महिला की गला रेतकर हत्या की गई थी और उसके चेहरे को जलाया गया था। पुलिस मृतका की पहचान कराने में जुटी थी कि बृहस्पतिवार की दोपहर करीब 12 बजे चककालीलेट के ही प्रदीप कुमार के खेत में उनके गांव के वीरेंद्र खाद डालने गए थे। इसी दौरान वीरेंद्र ने एक बच्चे का शव पड़ा देखा। उसके शोर मचाने पर आस पड़ोस के लोग आ गए। चौबीस घंटे में पहले महिला फिर बच्चे की लाश मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। महिला की तरह की बच्चे के चेहरे को भी जलाया गया है। इसी दौरान मौढ़ा तैय्या गांव के लोग भी आ गए। उन्होंने बच्चे के शव की पहचान जसराम के बेटे के रूप में की। लेकिन पूरी तरह तस्दीक करने के लिए जसराम और उसके भाइयों को बुला लिया गया। जसराम ने पुलिस को बताया कि यह शव उसकी पत्नी और बेटे के हैं। पुलिस पूछताछ में पति ने बताया कि सीमा करीब दो साल से उससे अलग शेरुआ चौराहे के पास कौकरपुर गांव में रह रही थी। दोनों के बीच विवाद चल रहा था। उसकी पत्नी मौढ़ा तैय्या कब आई और किससे मिलने आई थी। उसे कोई जानकारी नहीं है। इसके अलावा पुलिस की जांच में यह भी बात सामने आई है कि पाकबड़ा क्षेत्र के फलैदा गांव निवासी एक युवक भी महिला के संपर्क में था। दोनों को कई बार एक साथ देखा गया था। पुलिस प्रेम संबंध, पति पत्नी के बीच विवाद गांव के ही एक परिवार से चल रहे विवाद के मामले की भी जांच पड़ताल कर रही है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि महिला और बच्चे की पहचान हो गई है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही दोहरे हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा।15 साल पहले हुई थी जसराम और सीमा की शादी- मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी जसराम की शादी करीब 15 साल पहले गोरखपुर निवासी सीमा के साथ हुई थी। दंपती का एक दस साल का बेटा अंकुश था। जसराम ट्रक चालक है लेकिन कुछ समय से बीमार होने के कारण ट्रक नहीं चला रहा। दो साल पहले पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी।

मरने जा रहा हूं, बुलेट यहां खड़ी है, कॉल-वीडियो कॉल के बाद ताऊ को मैसेज कर प्रेमिका संग रामगंगा में कूदा

मुरादाबाद में प्रेमी युगल ने नदी में छलांग लगा दी। रामगंगा नदी के पुल से एक दूसरे का हाथ पकड़कर लड़का और किशोरी कूद गए। पहले बुलेट से काफी देर तक घूमते रहे। इसके बाद रामगंगा पुल पर बुलेट खड़ी की। लड़के ने ताऊ को मैसेज किए लगा दी।बीस साल के युवक तुषार गोस्वामी और की दोपहर एक बजे मुरादाबाद जिले के कटघर क्षेत्र में हाथ थामकर उफनी रामगंगा में छलांग लगा दी। बरेली की हरसंभव कोशिश की लेकिन उसे सफलता नहीं एक घंटे पहले अपने ताऊ को मैसेज लिखा था कि वह ही देर में पुलिस और परिजन भी पहुंच गए और की गई लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।एसपी सिटी का हाथ पकड़ कर रामगंगा नदी में कूदने वाला तुषार वाला है। इसके साथ कूदने वाली छात्रा भी कटघर क्षेत्र इकलौते बेटे तुषार ने 12वीं तक पढ़ाई की और शोरूम में नौकरी करने लगा। तुषार के पिता प्रदीप सुबह करीब दस बजे तुषार रोज की तरह ड्यूटी पर

और प्रेमिका का हाथ पकड़कर नदी में छलांग सोलह साल की दसवीं की छात्रा ने शनिवार कल्याणपुर गांव के पास पुल से एक दूसरे का से दिल्ली लौट रहे एक युवक ने दोनों को बचाने मिल पाई। युवक ने छलांग लगाने से करीब मरने जा रहा और बाइक पुल पर खड़ी है। कुछ गोताखोरों की मदद से नदी में दोनों की तलाश कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि एक दूसरे गोस्वामी कटघर क्षेत्र के सूरज नगर का रहने की ही बताई जा रही है। अपने मां बाप के कोतवाली क्षेत्र में बुधबाजार स्थित कपड़े के गोस्वामी ने पुलिस को बताया कि शनिवार की जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद उसने 11:50 पर अपने ताऊ सुधीर गोस्वामी को व्हाट्सएप कॉल की लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं। इसके पांच मिनट बाद उसने वीडियो कॉल की लेकिन यह कॉल भी रिसीव नहीं हुई। दोपहर 12 बजे उसने अपने ताऊ के नंबर पर व्हाट्सएप मैसेज किया। जिसमें उसने लिखा है कि ताऊ मैं मरने जा रहा हूं। मेरी बुलेट बाइक पुल पर खड़ी है। घर से दूसरी चॉबी लेकर आजाओ। इस मैसेज के लिखने के करीब एक घंटे बाद तुषार छात्रा के साथ दलपतपुर जीरो प्वाइंट से होकर दिल्ली लखनऊ हाईवे कल्याणपुर गांव के पास रामगंगा नदी के पुल पर पहुंच गया। यहां दोनों ने एक दूसरे के हाथ पकड़ लिए। कुछ देर दोनों रामगंगा की ओर देखते रहे। इसी दौरान एक प्रत्यक्षदर्शी ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन दोनों ने पुल की रेलिंग पर चढ़कर नदी में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शी ने शोर मचाया और अन्य वाहन चालकों को रोक कर इसकी जानकारी दी। इसके बाद उसने पुलिस को कॉल कर दी। इसकी जानकारी मिलने पर कटघर थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और स्थानीय गोताखोर भी बुला लिए और दोनों की तलाश शुरू कर दी। ताऊ के मोबाइल पर भेजा मैसेज-पुल पर खड़ी बुलेट के नंबर के जरिए पता चला कि यह बाइक तुषार की है। उसके घर सूचना भिजवाई गई। तब परिवार के लोगों ने ताऊ के मोबाइल पर भेजा मैसेज पढ़ा। इसके बाद परिजन भी आ गए। कुछ ही देर में छात्रा के परिजन भी आ गए। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पीएसी और स्थानीय गोताखोर दोनों की तलाश का रहे हैं। फोन पर बात करने पर छात्रा को परिजनों ने डांट दिया था पुलिस की जांच में सामने आया है कि शुक्रवार की रात तुषार और छात्रा फोन पर बात कर रहे थे। परिवार के लोगों ने छात्राा को बात करते हुए पकड़ लिया था तब उसकी डांट लगा दी थी। छात्रा अपने नाना के घर अमरोहा के डिडौली क्षेत्र में रहकर पढ़ाई कर रही है। परिवार के लोगों ने उसे नाना के घर जाने को बोल दिया था। नाना के घर जाने से पहले वह तुषार से मिलने के लिए चली गई थी। दोनों दस बजे से साथ साथ घूम रहे थे। इसके बाद वह रामगंगा नदी के पुल पर पहुंच गए थे।इकलौते भाई की तलाश में नदी किनारे भटकती रही बहन- तुषार के परिवार में मां सुविता गोस्वामी, पिता प्रदीप गोस्वामी, ताऊ सुधीर गोस्वामी, बहन खुशी और कनिष्का हैं। शनिवार सुबह तब तुषार के रामगंगा नदी में कूदने की जानकारी मिली तो परिजन मौके पर पहुंच गए। बहन खुशी तो भाई को ढूंढते ढूंढते रामगंगा किनारे किनारे काफी दूर तक निकल गई।कूदने से पहले हादसे में बाल-बाल बचे दोनों- दिल्ली निवासी युवक ने पुलिस को बताया कि वह बरेली से लौट रहा था। जीरो प्वाइंट से लेकर पुल तक उसकी बाइक युवक और उसके साथ मौजूद लड़की के पीछे पीछे चल रही थी। दोनों बुलेट पर सवार थे लेकिन एक दूसरे से किसी बात पर झगड़ रहे थे और तेज तेज आवाज में बात कर रहे थे। एक वाहन से टकराने से भी बचे थे। इसके बाद उन्होंने बुलेट रोक दी और छलांग लगा दी थी।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद की इस भूलभुलैया का बढ़ा क्रेज, वीकेंड पर उमड़ रही भीड़, 50 रुपये में मिल रहा रोमांचक अनुभव

मुरादाबाद। मुरादाबाद के सिविल लाइंस स्थित कंपनी बाग चिल्ड्रेन पार्क में बनी भूलभुलैया (Maze) इन दिनों शहरवासियों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। छुट्टियों, सप्ताहांत और सार्वजनिक अवकाश के दौरान यहां बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ पहुंच रहे हैं। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस अनोखे अनुभव का आनंद लेते हुए अपना अवकाश यादगार बना रहे हैं। शीशों और घुमावदार रास्तों में मिलता है रोमांच- भूलभुलैया के अंदर प्रवेश करते ही शीशों से बनने वाली भ्रमित करने वाली आकृतियां और घुमावदार रास्ते लोगों को रोमांच से भर देते हैं। वहीं शीशों पर बने जंगल और जंगली जानवरों के दृश्य कई लोगों के लिए रोमांचक तो कुछ के लिए हैरान कर देने वाला अनुभव बन जाते हैं।बच्चों के साथ-साथ युवाओं को भी यह आकर्षण खूब पसंद आ रहा है। यही वजह है कि मुरादाबाद ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी लोग यहां घूमने के लिए पहुंच रहे हैं।मंडल की अनोखी मनोरंजन स्थल- स्थानीय लोगों के अनुसार, मुरादाबाद मंडल के अन्य जिलों में इस तरह की भूलभुलैया उपलब्ध नहीं है। ऐसे में कंपनी बाग का यह आकर्षण पूरे मंडल के लोगों के लिए एक खास मनोरंजन स्थल बन गया है। वीकेंड और त्योहारों पर बढ़ जाती है भीड़- टिकट काउंटर पर मौजूद कर्मचारियों के अनुसार, यहां आने वाले लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है ताकि सभी बिना किसी परेशानी के भूलभुलैया का आनंद ले सकें। शनिवार, रविवार, सार्वजनिक अवकाश और त्योहारों के दौरान यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। 50 रुपये में रोमांच का अनुभव- नगर निगम प्रशासन की ओर से भूलभुलैया में प्रवेश के लिए 50 रुपये का टिकट निर्धारित किया गया है। यह प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से रात 8:00 बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहता है। कर्मचारियों के अनुसार, यहां रोजाना औसतन 300 से अधिक लोग पहुंचते हैं, जबकि सप्ताहांत में यह संख्या और बढ़ जाती है। पार्क में बच्चों के लिए भी हैं कई आकर्षण- भूलभुलैया के अलावा कंपनी बाग चिल्ड्रेन पार्क में बच्चों के लिए झूले और कई अन्य खेल उपकरण भी उपलब्ध हैं। यही कारण है कि परिवार यहां रोमांच के साथ-साथ बच्चों के मनोरंजन और सुकून भरे समय का भी आनंद लेते हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान को मिली रफ्तार, मुरादाबाद से लखनऊ तक लगाए गए हजारों पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण महाअभियान के तहत रविवार को उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुरादाबाद और लखनऊ समेत विभिन्न जिलों में सरकारी विभागों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान के दौरान लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने की भी अपील की गई। MSME मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने किया अभियान का शुभारंभ- मुरादाबाद स्थित गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश सरकार के एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने स्वयं पौधा लगाकर किया। उन्होंने कहा कि धरती को हरा-भरा बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए, ताकि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, स्वस्थ और बेहतर पर्यावरण मिल सके।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह, नगर विधायक रितेश गुप्ता, मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह और जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया सहित कई अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी का पुस्तक और पुष्प भेंट कर स्वागत किया।विद्यालयों में बच्चों ने दिया हरियाली का संदेश- मुरादाबाद में बेसिक शिक्षा विभाग के नगर क्षेत्र स्थित कंपोजिट विद्यालय गांधी पार्क में प्रधानाध्यापक राहुल शर्मा, शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं ने मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान सभी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मंत्री धर्मपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने लगाए पौधे, पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत वन एवं वन्यजीव प्रभाग, बरेली द्वारा भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के दुग्ध विकास एवं पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, वन विभाग, आईटीबीपी के जवानों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भंडारी ने अभियान की शुरुआत करते हुए पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव हैं और हर नागरिक को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। कार्यक्रम में महापौर डॉ. उमेश गौतम, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, बहोरन लाल मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधायक संजीव अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। बच्चों की नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति, वन विभाग एवं ड्ड्ड्स्न की प्रदर्शनी तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महायज्ञ कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे। अंत में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पौधे लगाना ही नहीं, उनका संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

कांवड़ यात्रा के दौरान उर्स-ए-रजवी का आयोजन, पुलिस प्रशासन के लिए होगा चुनौती भरा महा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान उर्स-ए-रजवी का आयोजन पुलिस-प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा। आला हजरत दरगाह के जिम्मेदारान भी तारीखों को लेकर असमंजस में हैं। आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी का उर्स सात से नौ अगस्त तक मनाया जाएगा। नौ अगस्त को कुल होगा। इस दिन शहर में जायरीन का जमावड़ा रहेगा। सावन का दूसरा सोमवार 10 अगस्त को पड़ेगा। इससे पहले नौ अगस्त को कांवड़ियों के जत्थे भी सड़क पर होंगे। उर्स के दौरान इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान से चौपुला, कुतुबखाना और नावल्टी इलाकों में जायरीन भरे होते हैं। सीबीगंज के मथुरापुर के जामियतुर्रजा में होने वाले कार्यक्रम में भी भीड़ उमड़ती है। उसी दिल्ली हाईवे से कांवड़ यात्राएं भी गुजरती हैं। ऐसे में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी। देश-विदेश से आएंगे लाखों जायरीन -हालांकि, इस मुद्दे पर प्रशासन के साथ उर्स कमेटी के लोगों का मंथन हो चुका है। उर्स में देश-विदेश से आने वाले जायरीन ट्रेन व प्लेन की टिकट बुक कर चुके हैं। विदेशी जायरीन वीजा ले चुके हैं। कई ने बरेली में होटल बुक कर लिए हैं। विभिन्न प्रांतों से आने वाले जायरीन बसें बुक करा चुके हैं। इससे दरगाह के लोग भी असमंजस में हैं। दरगाह के प्रवक्ता नासिर कुरैशी ने बताया कि दरगाह प्रमुख सुब्हानी मियां और सज्जादानशीन अहसन मियां जायरीन के संपर्क में हैं। पहले भी ऐसे मौके आए जब दोनों धर्मों के त्योहार साथ-साथ हुए हैं।

कांवड़ मेला के लिए ट्रेनों में बढ़ेंगे कोच, भीड़भाड़ को लेकर अलर्ट जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। 30 जुलाई से 11 अगस्त तक कांवड़ मेला होगा। बरेली में भी कछला, गढ़ और हरिद्वार से जल लाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में रेलवे ने गढ़मुक्तेश्वर, हरिद्वार और कछला जाने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की कवायद शुरू कर दी है। संबंधित स्टेशनों और कोचिंड डिपो अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है। 27, 28 और 29 जुलाई से ही भक्तों का आवागमन शुरू हो जाएगा। हालांकि जो अधिक भीड़भाड़ वह आठ से 11 अगस्त के बीच होगी। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर और उत्तर रेलवे इज्जतनगर रेल मंडल की ट्रेनों में कोच बढ़ेंगे। रेलवे अधिकारियों का कहना है, बरेली होकर हरिद्वार एक्सप्रेस, हावड़ा हरिद्वार एक्सप्रेस, देहरादून, हरिद्वार एक्सप्रेस, जनता, बरेली कासगंज पैसेंजर, लाल कुआं पैसेंजर, काठगोदाम कासगंज पैसेंजर आदि ट्रेनों में एक-एक अतिरिक्त कोच बढ़ाने की तैयारी चल रही है। कछला में जबर्दस्त भीड़ होती है। जो भी ट्रेन कासगंज, बदायूं जाएगी। उनमें भी अतिरिक्त लगेंगे। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल भी गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार जाने वाली नियमित ट्रेनों में साधारण एक-एक अतिरिक्त कोच बढ़ाएगा। कछला, गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार जाने वाली सभी ट्रेनों में कांवड़ मेला के चलते स्क्वॉड की डयूटी रहेगी। और बी श्रेणी ऐसे स्टेशन जहां से ट्रेनों में कांवड़ियां सवार होते हैं। आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त टीमें सुरक्षा व्यवस्था को प्लेटफार्मों पर तैनात की जाएंगी। स्टेशनों पर कांवड़ हेल्प डेस्क भी अनिवार्य की जाएगी। इसके अतिरिक्त एनाउंसमेंट पर हरिद्वार-कछला और गढ़मुक्तेश्वर जाने वाली ट्रेनों का विशेष तौर पर एनाउंसमेंट कराया जाएगा। ऑपरेटिंग और कॉमर्शियल अधिकारियों का कहना है। कछला, गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार की ओर जाने वाली ट्रेनों में एक-एक अतिरिक्त कोच की सुविधा बढ़ाई जाएगी। जिससे कांवड़ भक्तों को असुविधा न हो। स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा टीमें और हेल्पडेस्क बनेगी।

350 लोधी समाज के मेधावियों को केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली।अवन्तीबाई लोधी परिवार के द्वारा 'लोधी मेधावी सम्मान समारोह' का आयोजन रविवार को आई.एम.ए सभागार, में किया गया। मुख्य अतिथि बी.एल. वर्मा , केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि डॉ. उमेश गौतम, महापौर, बरेली एवं डॉ. डी.सी. वर्मा, विधायक, मीरगंज ने 350 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान किया। इस मौके पर बरेली लोधी समाज के अध्यक्ष गौरव राजपूत और संयोजक दीनदयाल लोधी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री श्री वर्मा का 51 किलो फूलों की माला से स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्री वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में सफलता पाने के लिए मल्टी टास्किंग युवक बनना होगा सभी कार्य करना विद्यार्थी को आना चाहिए, व्यवहार कुशल होना चाहिए तथा आसान कोर्स ना चुनकर साइंस के क्षेत्र में आगे बढ़ें, क्योंकि हमारे समाज ने हमेशा कठिन परिश्रम कर अपना मार्ग प्रशस्त किया है और अपनी पहचान बनाई है। साथ ही इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और इस मौके पर विभिन्न समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। तथा महापौर डॉ उमेश गौतम , विधायक डॉ डी.सी.वर्मा को सम्मानित किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक दीनदयाल लोधी, अध्यक्ष गौरव राजपूत,प्रभु दयाल लोधी, महेश राजपूत, लालता प्रसाद ज्ञान प्रकाश लोधी ,मुकेश राजपूत लोधी, निरंजन लोधी, पूरनलाल, मुरली मनोहर, राजू प्रिंस सहित समाज के सैकड़ों समाजसेवियों सहित मेधावी छात्र -छात्राएं एवं अभिभावक मौजूद रहे।

सर्राफा की दुकान में चोरों ने नकब लगा : लाखों के माल के साथ साथ एक घर को भी बनाया निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सीबीगंज में सराफ की दुकान में चोरों ने नकब लगाकर करीब सात लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण व गल्ले में रखे बीस हजार रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने दुकान मालिक की ओर से अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। किला क्षेत्र के गढ़ैया निवासी रूपकिशोर रस्तोगी की सराफा दुकान सीबीगंज के गांव दौली रघुबर दयाल में मठिया के पास है। उन्होंने थाना प्रभारी विनोद कुमार को बताया कि वह रोज की तरह बृहस्पतिवार की शाम अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी होने के कारण उसकी दुकान बंद रहती है। शनिवार सुबह उनके पड़ोसी दुकान वाले ने फोन पर सूचना दी कि दुकान की दीवार की ईंटें निकली हुई हैं। सूचना पर वह मौके पर पहुंचे तब देखा कि दीवार की एक साइड से लिंटर के पास नकब लगा हुआ है। दुकान का ताला खोला तो तिजोरी का लॉक टूटा हुआ था। तिजोरी में रखे दो किलो चांदी के आभूषण, दस ग्राम सोने की लौंग व कान की बाली आदि आभूषण गायब थे। गल्ले में रखे करीब बीस हजार रुपये भी नहीं थे। डायल 112 को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित सराफ ने रविवार को घटना की तहरीर थाने में दी। थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि सराफ की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। चोरों की तलाश की जा रही है।

पत्रकार हितों के लिए एकजुट हुए विदिशा के पत्रकार: बांटे गए सदस्यता कार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी / विदिशा जिले के (PWD के) विश्राम ग्रह में IFWS की जिला इकाई की बैठक आयोजित की गई, बैठक में जिला अध्यक्ष हाकम रघुवंशी और विदिशा के वरिष्ठ पत्रकार ऋय Vasuder के नेतृत्व में इकाई सदस्यों की सदस्यता के -card वितरित किए दिए गए वही कार्य भरे गये नई सदस्यता बैठक में वरिष्ठ सदस्यों द्वारा अपने अपने विचार प्रकट किए गए

संघठन की मजबूती एवं पत्रकारों के हितो में एवं समाज के हित में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की वहीं जिला इकाई की कार्यकरिणी की सूची तैयार की गई बैठक में विदिशा से वरिष्ठ पत्रकार आर के वासुदेव , सोनू नामदेव , कोमल सेन , कमल रैकवार , ओम प्रकाश जोशी, केशव श्रीवास्तव, संजय जोशी, मोहसिर अहमद, पंकज कुमार अहिरवार, सिरोंज वरिष्ठ पत्रकार सईद खान , महारूप खान, गुलाबगंज से चंद्रमोहन रातोसिया, राजकुमार रायकवार सहित आनेको पत्रकारों ने अपनी सहभागिता दी

हाईवे पर कार अनियंत्रित कार लोहे की रेलिंग में घुसी, एक की मौत... छह घायल

अमरोहा के गजरौला में नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में गोंडा निवासी युवक की मौत हो गई, जबकि परिवार के छह सदस्य घायल हो गए।नेशनल हाईवे पर कार अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग में घुस गई। जिसमें सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हो गए। जिससे मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जनपद गोंडा निवासी सोनू (28) पुत्र सोनाथ सिंह रविवार की सुबह कार से किसी काम से अपने परिवार वालों के साथ दिल्ली जा रहा था। जैसे वह गजरौला स्थित नेशनल हाईवे पर पहुंचे तो कार चालक सोनाथ सिंह को नींद की झप्पी आने से कार अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे लगी लोहे की रेलिंग में घुस गई। जिसमें कार सवार सोनू के सीने में लोहे की रेलिंग घुस गई।जिससे सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चालक उनके पिता सोनाथ सिंह, मां रमाशंकर, पत्नी प्रियांका पांडे,व आयुष, मनीष, देवांश, दिव्यांशु घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में घुसी लोहे की रेलिंग को काटकर सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया तथा मृतक सोनू के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं सोनू की मौत से परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि इस मामले में मृतक सोनू के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलिस विभाग में किया फेरबदल : SSP ने किए पुलिस उपाधीक्षकों के ट्रांसवर , नई तैनाती से कानून-व्यवस्था होगी और भी मजबूत!

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस उपाधीक्षकों के कार्यक्षेत्र एवं दायित्वों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। हेमंत कुमार उपाध्याय (नवागत) को क्षेत्राधिकारी आंवला बनाया गया। नितिन कुमार को क्षेत्राधिकारी आंवला से क्षेत्राधिकारी नगर-द्वितीय की जिम्मेदारी दी गई। अंजनी कुमार तिवारी को क्षेत्राधिकारी नगर-द्वितीय/यातायात/यूपी-112/वीआईपी से क्षेत्राधिकारी यातायात/यूपी-112/वीआईपी की जिम्मेदारी सौंपी गई। एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि यह फेरबदल जनहित और बेहतर पुलिसिंग के उद्देश्य से किया गया है। नई तैनातियों के बाद संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था और सौंपे गए अतिरिक्त दायित्वों का निर्वहन करेंगे ।

नमकीन फैक्टरी पर छापा, 13 कुंतल से अधिक एक्सपायर्ड पामोलिन ऑयल सीज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की टीम ने शनिवार को परसाखेड़ा स्थित दो नमकीन फैक्टरियों पर छापा मारा। एक फैक्टरी में 89 टिन (1335 किलो) एक्सपायरी डेटेड पामोलिन ऑयल मिलने पर उसे सीज कर दिया गया। तेल की अनुमानित कीमत 1.96 लाख रुपये बताई जा रही है। अब विभाग की तरफ से न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा। टीम ने शाम को परसाखेड़ा स्थित दो नमकीन फैक्टरियों पर छापा मारा। आलम फूड प्रोडक्ट्स में नमकीन निर्माण के लिए रखा रिफाइंड पामोलिन ऑयल जांचा गया। मौके पर 89 टिन में रखा 1,335 किलो तेल मिला, जिसकी एक्सपायरी मई 2026 पाई गई। कारोबारी ने बताया कि तेल उसे करीब दो घंटे पहले ही एक थोक विक्रेता से प्राप्त हुआ था और उसने खरीद का बिल भी प्रस्तुत किया। मिलावट की आशंका में नमकीन का एक नमूना जांच के लिए भेजा गया है। विभाग की तरफ से एके नमकीन प्राइवेट लिमिटेड व आलम फूड प्रोडक्ट्स को सुधार के लिए नोटिस भी जारी किए गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य राहुल सिंह ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दुष्कर्म का आरोपी जुबैर मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली हुआ घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के गांव शिवपुरी में रविवार सुबह पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जुबैर के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे उपचार के लिए फरीदपुर सीएचसी में भर्ती कराया। उपचार के बाद आरोपी जुबैर को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक रविवार को सुबह करीब साढ़े सात बजे मुखबिर से आरोपी जुबैर के बारे में सूचना मिली। इस पर घेराबंदी की गई। आरोपी जुबैर बाइक से शिवपुरी गांव के पास गुजर रहा था। पुलिस ने उसे घेरने का प्रयास किया तो वह नहर कोठी की तरफ भागा।

भागते समय उसकी बाइक फिसल गई और वह गिर गया। पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन उसने तमंचे से दो फायर कर दिए। कोतवाल राजकुमार सिंह ने अपनी पिस्टल से दो फायर किए। इनमें से एक गोली आरोपी जुबैर के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया। घायल जुबैर को फरीदपुर सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ें, पौधरोपण को जनआंदोलन बनाएं : स्वतंत्र देव सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई । जनपद जालौन में वृहद पौधरोपण महाअभियान-2026 का शुभारंभ प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उरई-कालपी रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी के समीप आटा में पौधरोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-जन का अभियान बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि पौधरोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का राष्ट्रीय संकल्प है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, वन विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। इस दौरान वृक्षारोपण, कृषि वानिकी एवं सामाजिक वानिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 से अधिक व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़

और भूजल स्तर में गिरावट जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। एक विकसित वृक्ष प्रतिवर्ष लगभग 100 से 120 किलोग्राम ऑक्सीजन प्रदान करता है तथा अपने जीवनकाल में एक टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने की क्षमता रखता है। घने वृक्षों वाले क्षेत्रों में तापमान भी 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम रहता है।

प्रदेश शासन के सचिव एवं जनपद के नोडल अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने किसानों से कृषि वानिकी अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि फलदार एवं इमारती वृक्ष किसानों की आय बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन तथा कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने भी पौधरोपण को जनआंदोलन बनाने और प्रत्येक नागरिक से पौधरोपण के साथ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन कर अधिक से अधिक पौधरोपण एवं उसके संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

एक पेड़ माँ के नाम वृहद पुलिस लाइन में वृक्षारोपण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / आज जिलाधिकारी अवनीश राय, एसएसपी अंकिता शर्मा तथा मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला द्वारा एक पेड़ माँ के नाम वृहद वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत पुलिस लाइन में वृक्षारोपण किया गया । इस अवसर पर जिलाधिकारी बदायूँ एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ ने जनपदवासियों से अपील की कि वे एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लें, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा स्वच्छ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें । वृक्ष हमें प्राणवायु प्रदान करने, पर्यावरण को संतुलित रखने,

वर्षा चक्र को बनाए रखने में सहायक होते हैं । जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौती से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । प्रदूषण, तापमान में वृद्धि और जल संकट जैसी समस्याओं के समाधान में वृक्षों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है । जब समाज, प्रशासन, विद्यार्थी, किसान और जनप्रतिनिधि मिलकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाएंगे, तभी हम एक हरित,स्वच्छ और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकेंगे । इसके अतिरिक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ के आदेशानुसार जनपद के समस्त थाना परिसरों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस कार्यालय में भी द्वारा एक पेड़ माँ के नाम वृहद वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत अधिक-से-अधिक पौधारोपण किया गया । जनपद पुलिस हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ इस महा अभियान में सक्रिय सहभागिता निभा रही है ।

फर्रुखाबाद में 40.93 लाख पौधों के रोपण अभियान का शुभारंभ: मंत्री असीम अरुण डीएफओ से बोले- इसकी फोटो भेजते रहना, 6 माह बाद देखने आऊंगा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद जनपद में रविवार को प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने वृहद पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया।

इस वर्ष जिले में करीब 40 लाख 93 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे, जिसमें 22 विभाग सहभागिता निभा रहे हैं। मोहम्मदाबाद ब्लॉक के ग्राम दरौंदी में वन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में करीब 5 हेक्टेयर भूमि पर 8 हजार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असीम अरुण ने पीपल के पौधे का पूजन कर उसे अपनी मां के नाम समर्पित करते हुए रोपित किया। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने पाकड़ का पौधा लगाया। वहीं सांसद मुकेश राजपूत और भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने भी पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता की। मंत्री असीम अरुण ने कार्यक्रम के दौरान डीएफओ से कहा कि उनकी मां के नाम लगाए गए पौधे की नियमित फोटो उन्हें भेजी जाए। उन्होंने कहा कि छह महीने बाद वह स्वयं आकर पौधे की स्थिति देखेंगे। उन्होंने वन विभाग की ट्री गार्ड योजना की सराहना करते हुए कहा कि यदि कोई जनप्रतिनिधि अपनी निधि से एक ट्री गार्ड उपलब्ध कराता है तो वन विभाग उसी स्थान पर दो अतिरिक्त ट्री गार्ड उपलब्ध कराता है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया पर्यावरण संरक्षण का महत्व- जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव ने कहा कि पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण के साथ पशु-पक्षियों, वन्य जीवों और छोटे-छोटे जीवों का जीवन सुरक्षित होगा। उन्होंने इसे भावी पीढ़ियों के लिए प्रकृति संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान बताया। सितंबर से शुरू होगा लिंक एक्सप्रेसवे का कार्य- जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले में लिंक एक्सप्रेसवे के लिए करीब 80 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। सितंबर से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। इसके पूरा होने के बाद फर्रुखाबाद की दूरी लखनऊ और दिल्ली से काफी कम हो जाएगी तथा जनपद को गंगा एक्सप्रेसवे का भी पूरा लाभ मिलेगा। उन्होंने लोगों से पौधरोपण को जनभागीदारी का अभियान बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

जनपद बदायूं में हुए 50 लाख 20 हजार 200 पौधे हुए रोपित

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 के अन्तर्गत वन विभाग 26 राजकीय विभागों द्वारा जनपद में 50 लाख 20 हजार 200 सहित प्रदेश भर में 35 करोड़ पौधारोपण का कार्य किया गया। रविवार को जनपद के ग्राम वनकोटा के निकट गंगा एक्सप्रेसवे पर 174.3 किलोमीटर पर चिह्नित भूमि पर वृक्षारोपण महायज्ञ का शुभारंभ मुख्य अतिथि मा0 केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा व विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 अध्यक्षा बबीता सिंह चौहान ने सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक, नोडल अधिकारी व राज्य आयुक्त जीएसटी नितिन बंसल, जिलाधिकारी अवनीश राय के साथ फीता काटकर, दीप प्रज्जवलन व विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राणवायु प्रदान करने, पर्यावरण को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को बनाए रखने

में सहायक होते हैं। जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौती से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदूषण, तापमान में वृद्धि और जल संकट जैसी समस्याओं के समाधान में वृक्षों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जब समाज, प्रशासन, विद्यार्थी, किसान और जनप्रतिनिधि मिलकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाएंगे, तभी हम एक हरित, स्वच्छ और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकेंगे। सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि वृक्षों से हमें मानसिक व शारीरिक सुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को जो जिम्मेदारी मिली है वह उसका ईमानदारी से निर्वहन करें, तो एक दिन हमारा देश विश्वगुरू अवश्य बनेगा। मुख्यमंत्री जी इसकी विशेष चिंता करते हैं, इसलिए पौधारोपण का कार्य उनकी प्राथमिकताओं में है और इसके फलस्वरूप आज प्रदेश हरा-भरा दिखता है। अच्छा सोचो अच्छा होगा आज नहीं तो कल होगा। डीएम अवनीश राय ने बताया कि जनपद के विभिन्न विभागों को कुल मिलाकर आज 50 लाख 20 हजार 200 पौधारोपण का लक्ष्य मिला है, जिसमें वन विभाग सहित विभिन्न 26 विभागों के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। सभी सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य को पूर्ण करते हुए पौधारोपण उपरान्त उसका संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसकी निगरानी जनपद स्तर से कराई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मा0 केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 अध्यक्षा बबीता सिंह चौहान, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, एमएलसी प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक, नोडल अधिकारी व राज्य आयुक्त जीएसटी नितिन बंसल, जिलाधिकारी अवनीश राय सहित अन्य अधिकारियों ने पौधा रोपण कर पर्यावरण संतुलन व संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान स्काउट गाइड द्वारा बैण्ड मनमोहक प्रस्तुति दी गई तथा स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसे सभी ने सराहा। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों, छात्र-छात्राओं व अन्य लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डीएफओ ने बताया कि वृक्षारोपण का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। इस अवसर पर एसएसपी अंकिता शर्मा, सीडीओ गामिनी सिंगला, प्रभागीय निदेशक समाजिकविनीता सिंह, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चन्दोला सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य लोग, ग्रामवासी छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला के दोनों-पैर कटे

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में स्थानीय लोगों ने पति को बनाया बंधक, पुलिस ने छुड़ाकर हिरासत में लिया

फर्रुखाबाद में कमालगंज थाना क्षेत्र के शेखपुर स्थित रेलवे गुमटी संख्या 138-सी पर शनिवार को एक महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। इस हादसे में महिला के दोनों पैर कट गए। सूचना मिलने पर एंबुलेंस उसे अस्पताल ले गई, जहां से गंभीर हालत में लोहिया जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अब जानिए पूरा मामला.. फर्रुखाबाद के मनिहारी निवासी 40 वर्षीय शबनम अपने पति रियाज के साथ कमालगंज थाना क्षेत्र के गौसपुर स्थित अपनी ननद के घर जा रही थीं। इसी दौरान कासगंज से कानपुर अनवरगंज जा रही 15038 पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। ग्रामीणों के अनुसार, हादसे के बाद महिला करीब 25 मिनट तक रेलवे ट्रैक पर तड़पती रही। एक स्कूली छात्र ने एंबुलेंस को सूचना दी। अस्पताल पहुंचे महिला के रिश्तेदार इस्लाम ने बताया कि शबनम का करीब एक वर्ष पहले मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद से उनकी आंखों की रोशनी काफी प्रभावित हो गई थी और उन्हें ठीक से दिखाई नहीं देता था। वहीं, घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि महिला को उसके पति ने धक्का दिया था, जिसके कारण वह ट्रेन की चपेट में आ गई। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। थानाध्यक्ष राम सहाय सिंह ने बताया- महिला के पति से पूछताछ की जा रही है। मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी तथा अन्य लोगों के भी बयान लिए जाएंगे। जांच के आधार पर आगे आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता अभिलाष उमा जखोली ने केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल का स्वागत सम्मान किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / केबिनेट मंत्री राकेश सचान प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार का भी स्वागत किया कोंच(जालौन)। भारतीय जनता पार्टी के युवाओं के नेता अभिलाष उमा निरंजन जखोली ने जनपद आगमन पर जिला पंचायत उरई द्वारा आयोजित पुस्तकालय सभागार के उद्घाटन कार्यक्रम में पधारे केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री राकेश सचान जिले के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ मन्नू कोरी भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल भाजपा प्रदेश मंत्री अनिल यादव भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सांसद अशोक रावत आदि अतिथियों का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर राजेश कुमार निरंजन रज्जन जखोली अमन पटेल उपेंद्र निरंजन सहित कई पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहें।

मदद के लिए चीखती रही मासूम, मोबाइल चलाता रहा सुरक्षाकर्मी; गाजियाबाद में अपहरण, दरिंदगी और बच्ची का कत्ल

गाजियाबाद के नंदग्राम में सात वर्षीय बच्ची की दरिंदगी के बाद निर्ममता से हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात दो आरोपी मासूम की चिप्स व कोल्ड ड्रिंक का लालच देकर निर्माणाधीन मॉल में ले गए। वहां तीसरी मंजिल पर दुष्कर्म किया, फिर राज खुलने के डर से हत्या कर नीचे फेंक दिया। बच्ची का लहूलुहान शव मॉल के तीसरे बेसमेंट में मिला।दिल्ली से सटे गाजियाबाद में दरिंदगी की हदें पार करने वाला मामला सामने आया है। यहां सात वर्षीय बच्ची की सामूहिक दरिंदगी के बाद निर्ममता से हत्या कर दी गई। निर्माणाधीन परियोजना पर 20 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। दिन में 15 और रात में पांच गार्ड ड्यूटी पर रहते हैं। मुख्य गेट पर दो सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। परिजनों के अनुसार, थाने से लौटने के बाद उन्होंने बच्ची की तलाश शुरू की तो एक गार्ड ने बताया कि उसने बच्ची के रोने और %मम्मी-मम्मी% पुकारने की आवाज सुनी थी। हालांकि, उसे यह अंदाजा नहीं था कि आवाज बिल्डिंग के अंदर से आ रही है। उस समय वह मोबाइल फोन चलाने में व्यस्त था। इसके बाद परिजन ने इमारत में बच्ची की तलाश शुरू की तो तीसरी मंजिल पर कमरे में खून के निशान मिले। करीब एक घंटे की तलाश के बाद बच्ची का शव मिला।शाम में हुई लापता, देर रात मिली लाश-कार्यवाहक एसीपी नंदग्राम प्रियाश्री पाल के अनुसार, बिहार के नालंदा जिले का एक परिवार यहां झुग्गी में रहकर मजदूरी करता है। इन दिनों परिवार झुग्गी से कुछ दूर राजनगर एक्सटेंशन स्थित निर्माणाधीन मॉल में काम कर रहा है। शाम करीब साढ़े सात बजे उनकी बेटी लापता हो गई। दो घंटे तक तलाश करने के बाद भी बच्ची नहीं मिली तो उन्होंने नंदग्राम थाने में सूचना दी। इसके बाद बच्ची के परिजन व अन्य मजदूर उसे तलाशते हुए निर्माणाधीन मॉल में पहुंचे। वहां रात करीब साढ़े 12 बजे बेसमेंट के तीसरे तल पर सीढ़ियों के पास खून से लथपथ शव मिला। शव पर केवल टॉप था, स्कर्ट गायब थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजनों ने चार युवकों पर बच्ची का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म व हत्या का आरोप लगाया।पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें झुग्गी में रहने वाले दो युवक बच्ची को ले जाते दिखाई दिए। बच्ची के हाथ में चिप्स का पैकेट और युवकों के हाथ में शराब व कोल्ड ड्रिंक थी। जांच में सामने आया कि दो आरोपी घटनास्थल पर पहले से मौजूद थे। उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, बच्ची के कपड़े और चप्पल बरामद कर लिए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। भरोसे के रिश्तों में छिपे दरिंदे- जिन चेहरों पर भरोसा कर परिवार अपने बच्चों को सुरक्षित समझते हैं, वही चेहरे कई बार मासूमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आ रहे हैं। गाजियाबाद में बीते कुछ महीनों में बच्चों के साथ हुई बर्बर घटनाओं ने न सिर्फ कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि समाज में घटते भरोसे की भयावह तस्वीर भी दिखाई है। लूट, हत्या और अन्य अपराधों के बीच मासूमों को निशाना बनाने वाली घटनाओं में आरोपी अक्सर उनके आसपास रहने वाले परिचित, रिश्तेदार या पड़ोसी निकल रहे हैं। ये आरोपी बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाते हैं और फिर जघन्य वारदात को अंजाम देते हैं। नंदग्राम थाना क्षेत्र में चार माह के भीतर मासूम को अगवा कर हत्या करने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले भी जिले में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें आरोपी पीड़ित परिवार के विश्वास के दायरे में रहने वाले लोग ही थे। मनोचिकित्सकों के अनुसार बच्चों के प्रति इस तरह की विकृत यौन प्रवृत्ति एक गंभीर मानसिक विकार से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता भी बेहद जरूरी है।

थाना मटेरा में एक पेड़ मां के नाम

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह/ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए थाना मटेरा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। थाना प्रभारी हरिकेश सिंह व पुलिसकर्मियों ने थाना परिसर में पीपल, नीम और बरगद के पौधे लगाकर मां के सम्मान के साथ पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। मटेरा थाने में 101 पेड लगाए गए थाना प्रभारी हरकेश सिंह ने हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ मां के नाम लगाने अपील की मटेरा थाने में आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधरोपण किया गया। पुलिस ने आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत थाना मटेरा परिसर में 101 से अधिक छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी, समस्त पुलिस स्टाफ और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। थाना प्रभारी, थाना मटेरा- आज हमने मां के नाम पर पौधे लगाए हैं। पेड़ ही हमारे जीवन का आधार हैं। मेरी अपील है कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए और उसकी देखभाल भी करे पौधरोपण के बाद सभी ने पौधों की सुरक्षा और देखभाल की शपथ ली। पुलिस ने बताया कि लगाए गए पौधों की जिम्मेदारी थाने के कर्मचारियों को दी गई है। कार्यक्रम के अंत में मौजूद लोगों ने पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने का संकल्प लिया। थाना मटेरा में मनाया गया एक पेड़ मां के नाम दिवस, लगाए गए 101 पौधा थाना मटेरा में रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने थाना परिसर में पीपल, बरगद, नीम और आम के पौधे लगाए। इस अवसर पर थाना प्रभारी ने कहा कि मां हमें जीवन देती है और पेड़ हमें जीवन देते हैं। इसलिए मां के नाम पर पेड़ लगाकर हम दोनो का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी अपने घरों में मां के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाएं

पुलिस ने खोये हुए बच्चे को परिजनों से मिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम द्वारा रत्नापुर बाजार के पास मासूम बच्चे को भटकते हुए पाया गया। थाना सोनवा की मिशन शक्ति टीम व बाल कल्याण अधिकारी द्वारा अपनी त्वरित कार्यशैली और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए सकुशल उसके परिजनों से मिलवाया गया। दरअसल रत्नापुर बाजार के पास मासूम बच्चे को भटकते हुए पाया गया जिसे मोहरनिया गांव के जागरूक नागरिक मनीष श्रीवास्तव पुत्र राजू श्रीवास्तव ने उक्त बच्चे को घूमते देखा तथा तत्काल थाना सोनवा को सूचना दी। उक्त बच्चा कम उम्र और अबोधता के कारण केवल अपना और अपने पिता का नाम ही बता पा रहा था, परंतु अपने गांव का नाम बताने में पूरी तरह असमर्थ था। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में थाना सोनवा की मिशन शक्ति टीम व बाल कल्याण अधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अथक परिश्रम किया और सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार, डिजिटल माध्यमों तथा अन्य स्रोतों का व्यापक सहारा लेकर महज कुछ ही घंटों में बच्चे के परिवार का सटीक पता लगा लिया गया। जिसके बाद थाना पर उसके पिता को बुलाया गया व विधिक कार्यवाही कर बच्चा सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के इस सराहनीय प्रयास, सूझबूझ और त्वरित कार्यवाही से खेल-खेल में घर से भटका मासूम अपने परिवार से दोबारा मिल सका, जिसके लिए परिजनों और स्थानीय जनता ने पुलिस प्रशासन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए खाकी के इस मानवीय चेहरे के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया ।

इलाज के नाम पर धर्मांतरण का आरोप, चंगाई सभा को लेकर फिर गरमाया कुबेरपुर

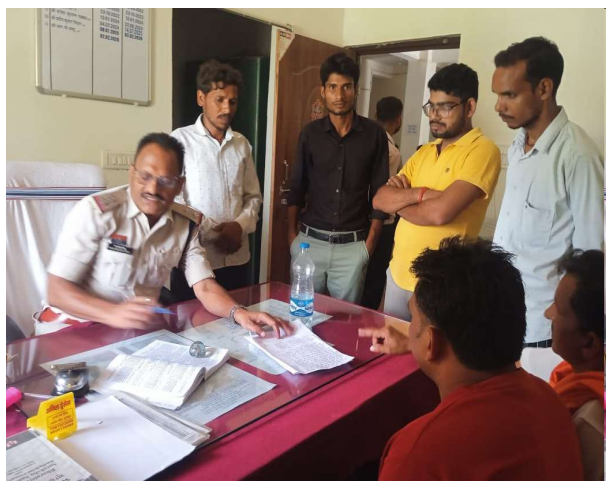

क्यूँ न लिखूँ सच / ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची बिहारपुर पुलिस, प्रार्थना सभा में मौजूद लोगों को लाया गया थाने सूरजपुर। चांदनी-बिहारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुबेरपुर में कथित रूप से इलाज और चंगाई सभा के नाम पर धर्मांतरण कराए जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पिछले करीब पांच वर्षों से चंगाई सभा और प्रार्थना का आयोजन किया जा रहा है, जिसका स्थानीय ग्रामीण कई बार विरोध कर चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार, कुबेरपुर में स्वास्थ्य लाभ और इलाज के नाम पर एक पादरी द्वारा कथित चंगाई सभा आयोजित की जाती रही है। ग्रामीणों का दावा है कि मामले को लेकर पूर्व में कई बार विरोध-प्रदर्शन किया गया और शिकायत बिहारपुर थाने तक भी पहुंची, लेकिन सभाओं का आयोजन पूरी तरह बंद नहीं हुआ। विरोध के बाद कथित तौर पर सभा का स्थान बदल दिया जाता था और दूसरे स्थान पर आयोजन जारी रहता था। रविवार, 12 जुलाई 2026 को ग्रामीणों ने एक बार फिर बिहारपुर पुलिस को सूचना दी कि ग्राम कुबेरपुर में चंगाई सभा आयोजित की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि मौके पर करीब 10 से 20 लोग एक स्थान पर बैठकर प्रार्थना कर रहे थे। इसके बाद पुलिस सभा में मौजूद लोगों को पूछताछ के लिए बिहारपुर थाने लेकर आई। मामले की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी थाने पहुंचे और लिखित शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि चंगाई और इलाज के नाम पर लोगों को प्रभावित कर कथित धर्मांतरण का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच और संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। वही रूपेश गुप्ता खण्ड विस्तारक जी ने पूरे मामले को संज्ञान में लेकर कार्यवाही करने को माँग की है

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पेंशनर्स भवन का किया लोकार्पण, पेंशनरों को समर्पित किया सम्मान का नया केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जनपद में प्रदेश के मा0 जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने पेंशनर्स भवन का लोकार्पण कर वरिष्ठ पेंशनरों को महत्वपूर्ण सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भवन केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि समाज के उन अनुभवी और समर्पित लोगों के सम्मान का प्रतीक है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र, समाज और शासन-प्रशासन की सेवा में समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी केवल पेंशनर नहीं, बल्कि अनुभव, अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की अमूल्य धरोहर हैं। उनका अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और समाज को सदैव दिशा देता रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन संवाद, सहयोग, आत्मीयता और सामाजिक सहभागिता का सशक्त केंद्र बनेगा, जहां वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करेंगे और समाजहित में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। मा0 जल शक्ति मंत्री जी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पेंशनरों के सम्मान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल विकास करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मानपूर्वक विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि समाज को अनुभव और मार्गदर्शन देने की नई शुरुआत है। इस अवसर पर उपस्थित पेंशनरों ने भावुक होकर प्रदेश सरकार और मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार हमारी भावनाओं को समझती है। हमें अपनी आवश्यकता बताने से पहले ही सरकार हमारे सम्मान, सुविधा और भविष्य का ध्यान रखती है। पेंशनर्स भवन इसका जीवंत उदाहरण है, जो हमें सम्मान और अपनत्व का एहसास कराता है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, विधान परिषद सदस्य रमा निरजंन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरजंन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह व बड़ी संख्या में पेंशनर्स, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शासन की गाइडलाइन दरकिनार! कोल्हुआ स्कूल में SMC गठन पर बवाल

जिसके बच्चे विद्यालय में अध्ययनरत नहीं, उसे अध्यक्ष बनाए जाने का आरोप; पालकों और क्षेत्रीय युवाओं में आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी-बिहारपुर/सूरजपुर। जिले के दूरांचल क्षेत्र चांदनी-बिहारपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कोल्हुआ स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में शाला प्रबंधन समिति (SMC) के गठन को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि शिक्षकों द्वारा शासन-प्रशासन की निर्धारित गाइडलाइन को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से समिति का गठन कराया गया। जानकारी के अनुसार, दिनांक 10 जुलाई 2026 को शाला प्रबंधन समिति का गठन किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समिति में ऐसे पालक को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिनके बच्चे वर्तमान में विद्यालय में अध्ययनरत ही नहीं हैं। जबकि शासन की गाइडलाइन के अनुसार विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के पात्र पालकों को ही समिति में शामिल किए जाने का प्रावधान बताया जा रहा है। 120 बच्चे... गठन में महज 20-25 पालक!- प्रभारी प्रधान पाठक श्री ओमप्रकाश सिधार जी से दूरभाष के माध्यम से बात चित में मिली जानकारी के अनुसार विद्यालय में लगभग 120 बच्चे अध्ययनरत हैं, लेकिन समिति गठन के दौरान कथित तौर पर केवल 20 से 25 पालक एवं ग्रामीण समेत उपस्थित थे जिसमें उपस्थित व्यक्तियों में से सभी पालक नहीं थे ऐसे में समिति गठन की पारदर्शिता और प्रक्रिया को लेकर क्षेत्रीय पालकों एवं युवाओं ने कई सवाल खड़े किए हैं। बताया जा रहा है कि प्रभारी प्रधान पाठक एवं कुछ बाहरी शिक्षकों ने भी प्रक्रिया को नियमों के अनुरूप करने की बात कही थी। इसके बावजूद आरोप है कि कुछ स्थानीय क्षेत्रीय शिक्षकों ने नियमों को दरकिनार कर अपनी सुविधा के अनुसार मनमाने तरीके से समिति गठन की प्रक्रिया पूरी करा दी। पालकों में आक्रोश, समिति तत्काल निरस्त करने की मांग- पर्याप्त पालकों की उपस्थिति के बिना कथित रूप से किए गए गठन को लेकर क्षेत्रीय युवाओं एवं पालकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि नियम विरुद्ध गठित शाला प्रबंधन समिति की निष्पक्ष जांच कर उसे तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही सभी पात्र पालकों, सरपंच एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता के साथ नए सिरे से शाला प्रबंधन समिति का गठन कराया जाए। क्षेत्रीय लोगों ने लंबे समय से एक ही विद्यालय में पदस्थ रहकर कथित मनमानी करने तथा शासन के निर्देशों की अवहेलना करने वाले जिम्मेदार शिक्षकों की भूमिका की जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब जिला प्रशासन पर टिकी निगाहें! अब बड़ा सवाल यह है कि सूरजपुर कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं? क्या नियम विरुद्ध समिति गठन के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी? क्या जिम्मेदार शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी? या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा? फिलहाल कोल्हुआ विद्यालय में शाला प्रबंधन समिति गठन का मामला गरमा गया है और क्षेत्रीय पालकों की निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजवाड़े सर जी से बात हुई उनके द्वारा बताया गया कि ऐसे पालक जिनके बच्चे विद्यालय में अध्यनरत हैं उन्हीं को शाला प्रबंधन समिति का अध्यक्ष बनाना है, ऐसा हुआ है तो गलत है मेरे संज्ञान में आ गया है संकुल प्रभारी महुली के माध्यम से बात कर यवाही किया जाएगा, समिति को भंग कर नए तरीके से सभी पालक की उपस्थिति में गठन किया जाएगा, जिम्मेदारों पर उचित कार्रवाई किया जाएगा,

संक्षिप्त समाचार

स्टंट बाजी कर रहें युवक की बाईक सीज की पुलिस ने

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच सर्किल के नदीगांव थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी के निर्देशन में थाने के दरोगा संदीप सिंह तोमर टीम के साथ सुभाष तिराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी एक युवक ब्लैक कलर की यामा गाड़ी यूपी 92 ए वी 6587 बाइक पर स्टंट करता बाईक को लहराते हुए खतरनाक तरीके से बाईक चलाते हुए दिखा। पुलिस ने उसे रोका और सख्त हिदायत देते हुए उसकी गाड़ी सीज कर दी।स्टंट बाजी से राह गीरों हुए परेशान थे पुलिस ने कहा कि जो लोग इस तरह के वाहन चलाते मिले उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जावेगी।

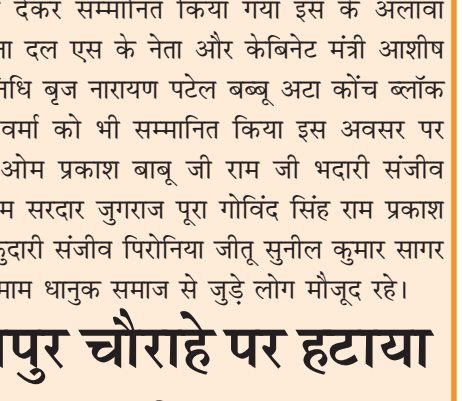

कोंच के प्रसिद्ध चिकित्सक डा संजीव निरंजन को सम्मानित किया समाज ने

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज पड़री स्थित हुल्का देवी मंदिर में धानुक समाज ने नगर एक सम्मान समारोह में नगर क्षेत्र के जाने माने प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर संजीव निरंजन को धर्म शाला निर्माण हेतु भूमि दान देने के पर शाल श्री फल देकर सम्मानित किया गया इस के अलावा समाज ने अपना दल एस के नेता और केबिनेट मंत्री आशीष पटेल के प्रतिनिधि बृज नारायण पटेल बब्बू अटा कोंच ब्लॉक प्रमुख विनोद वर्मा को भी सम्मानित किया इस अवसर पर मनोज पीपरी ओम प्रकाश बाबू जी राम जी भदारी संजीव कठेरिया दयाराम सरदार जुगराज पूरा गोविंद सिंह राम प्रकाश सुरेंद्र कोमेश कुदारी संजीव पिरोनिया जीतू सुनील कुमार सागर मेहरा सहित तमाम धानुक समाज से जुड़े लोग मौजूद रहे।

हरबंशपुर चौराहे पर हटाया गया, अतिक्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरबंशपुर चौराहे पर प्रशासन ने सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए जेसीबी की मदद से अवैध कब्जा हटवाया। कार्रवाई के दौरान दुकानों के सामने बने टीनशेड, चबूतरे तथा अन्य अस्थायी निर्माण को हटाकर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। हरबंशपुर निवासी अजमत बेग पुत्र वकील बेग ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ऑनलाइन एवं पंजीकृत डाक के माध्यम से शिकायत भेजकर हरबंशपुर चौराहे के सड़क पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की मांग की थी। शिकायत का निस्तारण बहराइच लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया जिसके बाद विभाग के सहायक अभियंता दयाराम एवं अवर अभियंता जितेंद्र कुमार ने कार्रवाई के लिए जमुनहा प्रशासन से सहयोग मांगा। दौरान शनिवार को हरदत्त नगर गिरंट थाना समाधान दिवस के उपजिलाधिकारी जमुनहा संजय कुमार राय के निर्देश पर नायब तहसीलदार विकास राय के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम कानूनगो राम किशुन, लेखपाल राहुल सिंह, आशुतोष पाण्डेय और साकेत शर्मा हरबंशपुर चौराहे पर पहुंचे। और अबैध कब्जा हटाया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में दो युवकों ने फांसी लगा की आत्महत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव /श्रावस्ती - दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में संदिग्ध परिस्थितियों में दो युवक फांसी के फंदे पर लटके मिले। दोनों की मौत से परिजनों में मातम छा गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हरदत्तनगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के ग्राम ददौरा निवासी रूपेंद्र कुमार आर्या (35) पुत्र रामनरायन रात खाना खाकर घर अंदर सोने गया था। वहीं उसकी बूढ़ी मां बाहर बरामदे में सोई थी। सुबह काफी देर बीत जाने के बाद जब रूपेंद्र ने दरवाजा नही खोला तो मां के कहने पर पहुंचे पड़ोसियों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। अंदर से आवाज न आने पर जब आसपास के लोगों ने दीवार के होल से अंदर देखा तो घर में दीवार पर रखी लकड़ी में साड़ी के फंदे के सहारे रूपेंद्र का शव लटक रहा था। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना हरदत्त नगर गिरन्ट पुलिस को दी। मौके पर फॉरेन्सिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने साक्ष्य एकत्र कर शव को फंदे से नीचे उतरवाया। पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। एक अन्य घटना में सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम दूबकला निवासी संजेश चौबे (30) पुत्र दिलीप चौबे रात भोजन करने के बाद कमरे में सोने गया था। सुबह उठा और मंजन के बाद फिर से कमरे में चला गया।

70 की उम्र में पेंशन का इंतजार, जर्जर कच्चे मकान में गुजर रही जिंदगी

क्यूँ न लिखूँ सच / कई बार भेजे आवेदन, फिर भी बलदेव को नहीं मिला योजनाओं का लाभ; ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार चांदनी-बिहारपुर। गरीब, असहाय और बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जरूरतमंदों तक इनका लाभ पहुंचने में देरी के मामले सामने आ रहे हैं। ओड़गी विकासखंड की ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम भून्डा निवासी करीब 70 वर्षीय बलदेव पिता मोतीलाल चेरवा आज भी वृद्धा पेंशन और पक्के आवास की राह देख रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर बलदेव वृद्धावस्था में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, उम्र के इस पड़ाव में उन्हें वृद्धा पेंशन का सहारा मिलना चाहिए था, लेकिन अब तक पेंशन शुरू नहीं हो सकी। वहीं, उनके पास रहने के लिए पक्का मकान भी नहीं है। वे कच्चे और जर्जर आशियाने में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बारिश के दिनों में परेशानी और बढ़ जाती है। पंचायत का दावा- कई बार भेजे दस्तावेज, स्वीकृति अब तक नहीं मामले में ग्राम पंचायत खोहीर के सरपंच ने बताया कि बलदेव की वृद्धा पेंशन शुरू कराने के लिए जरूरी दस्तावेज और आवेदन कई बार जनपद पंचायत से लेकर जिला स्तर तक भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद अब तक स्वीकृति नहीं मिली है। सरपंच के मुताबिक पंचायत स्तर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। ग्रामीण बोले- जरूरतमंद तक लाभ नहीं पहुंचा तो योजनाओं का क्या मतलब- ग्रामीणों ने मामले में प्रशासन से तत्काल पहल की मांग की है। उनका कहना है कि बलदेव की स्थिति को देखते हुए वृद्धा पेंशन जल्द शुरू की जाए। साथ ही पात्रता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाए। ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि मामले की जांच कर बुजुर्ग को जल्द सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाए।

What is Lord Jagannath's divine kitchen like, where even the stoves rest for 12 days? Potatoes and tomatoes are strictly prohibited.

Spreading from Odisha, the Rath Yatra of Lord Jagannath, Balabhadra, and Goddess Subhadra now spans the entire country. Let's explore the history of this divine journey, beginning July 16th this year, with Surendra Kumar Mishra, whose The Vedas mention the chariots of Goddess Usha and Lord are also many chariot-shaped temples in India. To the left of small chariot-shaped temple. The builder of both these "stone chariots." The chariot tradition is prevalent in South Thiruvananthapuram, the Suchindram Temple, the Narasimha Temple in Seemachal have Rath Yatra traditions. throughout the year. The chariot traditions of Srilingaraj and One is a Shaivite Rath Yatra, while the other is a Shakta Rath Festival in Odisha is unique and world-famous Purushottam Kshetra has been held since ancient times, yet According to scriptures, it is believed to have begun in the the Sri Chaturdavigraha from Aadampandam to the Skanda Purana. Recent research by German researchers BCE. The traditional belief is that the Rath Yatra has been Various theories exist regarding its origin in Yayati's Rathchakra book by studying it. He mentions that it was "Darubrahma's Culture and the Ghoshyatra of Shri Paramananda Adhikari. It was published by the New Student Patnaik. This book mentions that Mahaprabhu's Rath Yatra century. Pandit Murari Mishra's play "Anargharaghav" has only the word "Yatra" (journey) of Purushottam is accepted both the theories, then Mahaprabhu's Rath Yatra was also century. According to the description in the book "The high. However, in the Manjala Panji, the word "Patol" is

original Odia article has been translated by Sujata Shiven. Agni. The Vedas also mention various types of chariots. There the Konark Temple and the Seemachal Temple, there is a temples is Langula Narasimha Deva. We can also call them India as well. The Thyagaraja Temple in Meenakshi Temple, the Srirangam Temple, and the The chariot at the Seemachal Temple is kept for public viewing Goddess Biraja in Jajpur are also very ancient in Odisha. Rath Yatra. Description in the Skanda Purana The Jagannath throughout India. The Jagannath Rath Festival in the Sri the exact year of its inception has not yet been determined. first century BCE, when King Indradyumna first brought Singhadwara in a chariot. This description is found in the suggests that this Purana dates back to at least the first century prevalent since the time of Mahaprabhu's appearance. fortunate history. Pandit Sadashiv Rathsharma has dated the preserved in the Barodiya monastery in Puri, in his book titled Gundicha from Age to Age." It was edited by Shri Store in Cuttack in 1981. The author of this book is Bhikhari occurred during the time of Maharaja Yayati, i.e., in the ninth also been determined to be a ninth-century work. In that, by the pundits as a metaphor for Rath Yatra. If we accept taking place during the time of Maharaja Yayati in the ninth Tradition of the Seven Chariots," the Srimandir was 48 cubits used instead of "Srimandir" and the height is mentioned as 38 cubits. Since the temple was smaller, all the idols were correspondingly smaller, hence the height of the chariot is written as 18 cubits. At that time, seven chariots were constructed. From the Singhdwar, the Srivigraha was carried to Balgandhi in all three chariots. A smaller chariot ran in front of these three chariots. This chariot was pulled not by devotees but by horses. The devotees played various musical instruments on it. These four chariots initially stopped on the banks of the Balganthi Malini River. After crossing the river, the idols would board the three chariots and proceed to the Sri Gundicha Temple. The three chariots on the other side of the river were built at Indradyumpatana. This location was certainly located somewhere called Indradyum Tirtha, but remains unidentified. History of the Indradyum workshop reveals that a river flowed northwest of Indradyum Tirtha. At that time, the river was used for transportation. Settlements or villages along the river were called "Patana." Villages named "Patana" still exist along the river in many areas. Four-wheeled chariots were built at Indradyumpatana. Dr. Harekrishna Mahatab, in his Odisha History, writes that during the reign of Maharaja Bhanudev I (1264 to 1278), there were three chariots for the idols instead of six. The exact date when the construction of horse-drawn chariots ceased is unknown. The glory of the Malhar Monastery: Initially, there were seven stewards responsible for chariot construction, known as "Saptarathakar" (servants). They were "Gunakar," "Mukhyarathakaar," "Lohakar," "Chekakaar," "Rupakaar," "Chitkar," and "Suchikaar." Later, due to the convenience of chariot construction, these seven stewards expanded to 36. After disembarking from the chariot, the deities would board a "Chaap" (boat) and travel to Badadanda, thus creating the "Rath Chapdalei" (Chariot Chapdalei). With the construction of three chariots, they were no longer needed. These Chapdalei were part of Gajapati's navy. At that time, the naval force, known as Malhars, was more needed than the land force. These naval soldiers were very powerful and combative. Recognizing their need for the Rath Yatra, Gajapati provided them with a place near the Mausi Temple in Baradanda, Puri. Initially, the site was known as the Malhar Matha, later becoming known as the Malei Matha. This Malei Matha was a focal point for the spirituality of the Malhars throughout Odisha. Living there, they offered their services during the Rath Yatra. Later, reports emerged that the services of several of the 36 Niyogas had been discontinued. Social Harmony and Equal Rights During the reign of the Suryavansh dynasty, 64 types of servants were appointed to construct and supervise the chariots. This system continued until the reign of the Bhoi dynasty. In the past, after Odisha's subjugation, 12 of these services were discontinued. However, it is worth noting that people from all four castes of society were, and still are, involved in chariot construction and the Rath Yatra. Seven types of servants from the Dalit community served in the chariot construction and continue to do so. The key to the transformation of the 'Rath Yatra' into the 'Gana Yatra' of Odisha was the equal rights for all. The Gajapatis played a crucial role in creating this mentality of cooperation and companionship. The Rath Yatra laid the foundation for ethnic unity… a great tradition that continues to be glorious. Mahaprabhu's Maharasoi—the kitchen of Mahaprabhu Shri Jagannath Ji—has the distinction of being the largest and holiest kitchen in Sanatan culture, where Mahaprasad (Abhada) is prepared daily for thousands of devotees. Located in the southeastern courtyard of the Jagannath Temple, approximately two hundred and forty stoves operate continuously in this Maharasoi, where hundreds of Brahmin cooks and their assistants render their services with absolute purity. All food in this complex is cooked only in new clay pots. The traditional cooking technique used here astonishes even modern thermal science. Seven clay pots are placed vertically, one above the other, on the sacred fire of the stove. Contrary to normal physical laws, the food in the vessel farthest from the flame, i.e., the topmost vessel, is cooked first, and the vessel closest to the flame is cooked last. There are two main forms of Jagannath Ji's Mahaprasad. The first is "Sankhurdi," which includes simple grains, ghee-rice, sweet kanika, arhar dal, and traditional cooked dishes like dalma; and the second is "Sukhila," which includes layered khaja ??with syrup and dry sweets like sarpuli made from milk cream. The kitchen's cooking method forbids the use of onion and garlic, and not even a single grain of foreign origin, such as potatoes, tomatoes, cauliflower, and green chilies, can enter its boundaries. Only black pepper and dry ginger are used for pungency, and water is drawn only from the wells called "Ganga" and "Yamuna." Countless devotees enjoy this great prasad at Anand Bazaar in the temple's northeast complex. However, during the Rath Yatra, when the Lord leaves the main temple and sits on the chariot, the stoves in the main kitchen rest for 12 days. During the Rath Yatra, only dry and cool offerings are made to Mahaprabhu. Subsequently, when the Deity reaches its aunt's house, the Sri Gundicha Temple, the temporary kitchen there is activated and hot abhada is prepared using the same traditional Sapta-Handi method. When the chariot stops at its aunt's doorstep, a special offering of Poda Pitha is made to Mahaprabhu.

The secret to silky and shiny hair isn't expensive shampoos, but the "Japanese way" of washing hair. Definitely try it.

Japanese women are known for their silky and shiny hair, the secret to which lies not in expensive products, but in proper hair washing techniques. Japanese women are known worldwide for their naturally silky, smooth, and just in expensive products, but in routine. This technique doesn't just If your hair is dry, lifeless, frizzy, or making your hair healthy. Let's learn What is the Japanese way of washing hair thoroughly before washing. This improves blood circulation in the properly, making cleaning more - In the Japanese method, hair is first minutes. This opens the scalp pores, shampoo. Lukewarm water is best for of applying shampoo directly to the palms and create a lather with water. the direct exposure to chemicals and the scalp gently with your fingertips your nails. This massage increases dandruff, and supports hair growth. the shampoo thoroughly. Even a small stickiness, and hair fall. Rinse with conditioner smartly: Always apply hair, not the scalp. Leave it for 2-3 smooth, and frizz-free. Dry properly:

shiny hair. The secret to their beauty lies not proper hair cleansing, scalp care, and a proper wash hair, but in making it healthy from within. weak, this method can be very helpful in about this Japanese hair washing technique. hair? Pre-combing: It's essential to comb dry loosens knots, removes dust and pollution, and scalp. This helps the shampoo reach the scalp effective. Deep Wetting with Lukewarm Water soaked thoroughly in lukewarm water for 1-2 loosens oil and dirt, and reduces the need for this. Applying Shampoo by Foaming - Instead scalp, take a small amount of shampoo in your Apply this foam gently to the scalp. This reduces prevents hair damage. Scalp Massage - Massage in circular motions for 2-3 minutes. Avoid using blood circulation, reduces hair fall, controls Rinse thoroughly - It is very important to rinse layer of residue can cause scalp itching, cold or normal water for a natural shine. Use conditioner to the mid-lengths and ends of your minutes before rinsing. This leaves hair soft, Instead of rubbing your hair vigorously, gently press it with a towel. A microfiber towel is best. Applying pressure to wet hair can cause breakage. Air-dry and nourish: Japanese hair care minimizes the use of heat tools. Let your hair dry naturally, and apply a little argan oil or hair serum to lock in moisture. If you follow this Japanese hair washing method regularly, your hair will appear stronger, silkier, smoother, and shinier within a few weeks.

"I have to face it..." Govinda's friends used to send him abusive videos of Sunita, and his wife exited 'Lock Up 2'.

Govinda appeared on Lock Up Season 2. He spoke openly about Sunita Ahuja. Govinda's wife, Sunita Ahuja, has been released from the captivity of the Netflix reality show Lock Up Season 2. After her eviction, Govinda came to the reality show to pick up his wife Sunita. Sunita was not feeling well, so she decided to leave the show. The makers invited Govinda to the show to pick her up for Sunita's exit. Govinda called his wife "kid" - Govinda and Sunita Ahuja discussed many things on the show. Show host Farah Khan commented that people are fans of Sunita's language. Does she talk like this at home too? Govinda then called his wife "child," saying she was a child. Farah agreed with him. Why did Sunita leave Lock Up 2? Sunita Ahuja then explained why she was exiting the show. She said, "I'm not feeling well because my diabetes isn't under control. I'm very stressed, and that's also because I'm going through menopause. I'm in pain and having trouble breathing. That's why I kept saying I have to leave." Govinda also revealed that friends used to send him abusive videos of Sunita. He added, "It's okay. I've endured it." Govinda also said that whatever happens within a family should be kept within the home. The actor also said that he pampered his family.

Christopher Nolan was seen enjoying tea and bun-maska ??in Mumbai, while Tom Holland and Matt Damon also shared a desi breakfast.

Yesterday, before the premiere of The Odyssey, director Christopher Nolan and the film's star cast were seen enjoying a desi breakfast. The most anticipated film of the year, The Odyssey, is set to be released in a few days. promote his film, which also premiered director Christopher Nolan has this time, he not only promoted his film cuisine. The Odyssey team, on a tea the opportunity to enjoy a desi break with his co-stars and went to a bun-maska. Pictures of Christopher have surfaced on social media. The bun-maska ??with the film's stars, Tom shared the photos on Instagram, with of The Odyssey in Mumbai. A big night on social media, and fans are showering breakfast. When will The Odyssey after three years with The Odyssey. Anne Hathaway, Travis Scott, Robert

Director Christopher Nolan has come to India to in India. This is the first time Hollywood veteran premiered or promoted a film in India. However, among Indian audiences but also tasted Indian break, not only promoted The Odyssey but also took breakfast. Just before The Odyssey, he took a tea local restaurant in Mumbai, where they had tea and Nolan enjoying bun-maska ??before the premiere legendary director can be seen enjoying tea and Holland and Matt Damon. Universal Pictures India the caption, "Quick tea break before the premiere is coming, but tea first." His photos are going viral him with love after seeing him enjoying the local release? Christopher Nolan returns to the big screen The film stars Matt Damon, Tom Holland, Zendaya, Pattinson, Elliot Page, and Mia Goth. The film is scheduled to release in theatres worldwide on July 17.

That old song by Meenakshi Seshadri: A thorn pricking her, yet she didn't stop dancing, a cult following for 43 years.

This cult song was released 43 years ago. This singer sang this song - an interesting anecdote from the shooting. Who doesn't know actress Meenakshi Seshadri, who ruled the film industry from the 80s to the 90s? Today, we're going to tell you about one of Meenakshi's cult songs, during the shooting of which she defied the pain. During the shooting of that song, Meenakshi Seshadri was pricked by a thorn, yet she didn't stop dancing.

Let's find out which cult song it was. That cult song by Meenakshi Seshadri: If you're passionate about your work, you forget all pain. Actress Meenakshi Seshadri displayed similar passion during the shooting of the 1983 film Hero. Recalling this film, Meenakshi says, "Our goal was to have the entire team come together and finish the work within the stipulated time. For example, we shot the song 'Tu Mera Hero Hai' from the film 'Hero' in the Manori area of ??Mumbai. There were many cactus plants there. During the shooting, a large thorn pricked my finger and broke it, but we had to finish the song on time. So, I shot the song with that thorn stuck in my hand. The thorn was hurting my hand, and I was giving romantic expressions with Jackie in the song. When we packed up after the shooting, someone removed the thorn from my hand. That was how committed we were to our work." Let us tell you that this romantic song from the film 'Hero' was sung by singers Anuradha Paudwal and Manhar Udhas. Returning to India after 30 years, Meenakshi is now ready to return to cinema after a long absence from the film industry. She says, "After 30 years in America, I've returned to India. In the last three years, I've read numerous scripts and received numerous offers, especially from OTT platforms. Very good news is coming soon."

R Madhavan got his first film offer on the street, quit his job for 80,000 to pursue an acting career.

Popular actor R Madhavan used to work in Mumbai for 80,000 rupees before acting. R Madhavan earned a salary of 80,000 rupees. He had a job in Mumbai before entering films - he made his debut in the film industry with this movie. If we talk about legendary actors today, R Madhavan's name is definitely included. From South to Hindi cinema, Madhavan has proved his mettle with his powerful acting. This is why he is considered one of the most versatile actors in the film industry. But did you know that before pursuing an acting career, he already had a good job in Mumbai with a salary of 80,000 rupees? Let's

find out in this article: It's often heard that film stars begin their journey in Mumbai with great struggle. Each artist has their own unique and challenging backstory. But this wasn't the case for R. Madhavan. In an interview with renowned author Chetan Bhagat, R. Madhavan revealed that he was already settled in his life before starting his film career in Mumbai. He said, "When I came to Mumbai, it wasn't like I was in dire straits. I didn't come here to become an actor. I had a good job, paying 70,000 to 80,000 rupees a month. I came to this city to learn tech communication and public speaking, and then I got a job. I spent my entire salary, which was a huge sum in those days." He further explained, "When I was in 12th grade, I decided that I wanted to become a very rich man and famous. I wrote this in my notebook at the age of 17, and it remains there today. I took a vow based on my thinking and moved forward." But you'll be surprised to know that I got my first film offer on the side of the road. A man came up to me and asked, "Would you like to act?" I thought it was a scam, but later I realized I was actually going to get my first film. R. Madhavan was approached to audition for the legendary South Indian film director Mani Ratnam's film "Alaipayuthey," which was released in 2000. This film marked the beginning of Madhavan's acting career. R. Madhavan also revealed that he never imagined a superstar like Amitabh Bachchan would wish him on his birthday. Madhavan's upcoming films: After the Dhurandhar franchise, R. Madhavan's demand has increased significantly. His upcoming films include Shaitan 2, the 3 Idiots sequel, GDN, and Adhisthshali.